दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

# अमन लेखनी

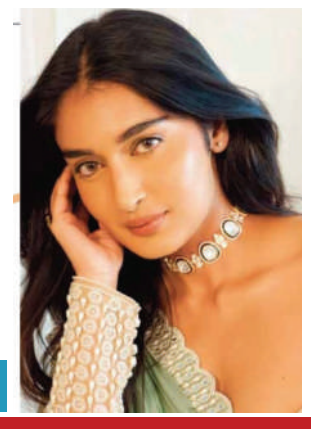

दिवाली से पहले आएगा लव एंड वॉर का फर्स्ट लुक

इंटीमेट सीन के चक्कर में हाथ से गई फिल्म

वर्ष : 12 | अंक : 216 | लखनऊ, 30 जुलाई, गुरूवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

### बसपा प्रमुख बोलीः सरकार को ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिससे पेपर लीक जैसी घटनाएं होने से पहले ही रोकी जा सकें

## मायावती ने कहाः केवल कठोर कानून बनाने से पेपर लीक समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं

**उन्होंने कहा कि लोगों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि क्या सिर्फ नया कानून लागू कर देने से समस्या खत्म हो जाएगी या इसके साथ अन्य प्रभावी कदम भी उठाए जाएंगे। नया कानून मुख्य रूप से पेपर लीक होने के बाद दोषियों को सजा देने पर केंद्रित है**

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

बसपा प्रमुख मायावती ने पेपर लीक रोकने के लिए सख्त सजा वाले विधेयक के लोकसभा से पारित होने के बाद कहा कि केवल कठोर कानून बना देने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। उन्होंने अपराध की रोकथाम, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार, सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता बढ़ाने, गरीब छात्रों को समान अवसर देने और शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं के कारण लाखों छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित होता है और कई मामलों में निराश होकर आत्महत्या जैसी दुखद घटनाएं भी सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों पर सख्त कानून जरूरी हैं, लेकिन केवल दंड का प्रावधान ही पर्याप्त नहीं माना जा सकता।

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि केवल कठोर कानून बनाने से इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। सरकार को ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिससे पेपर लीक जैसी घटनाएं होने से पहले ही रोकी जा सकें। उन्होंने कहा कि लोगों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि क्या सिर्फ नया कानून लागू कर देने से समस्या खत्म हो जाएगी या इसके साथ अन्य प्रभावी कदम भी उठाए जाएंगे। बीएसपी प्रमुख ने कहा कि नया कानून मुख्य रूप से पेपर लीक होने के बाद दोषियों को सजा देने पर केंद्रित है, जबकि सबसे महत्वपूर्ण पहलू अपराध को होने से पहले रोकना है।

- गरीब छात्रों को समान अवसर देने की जरूरत
- शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने की आवश्यकता

राज्यसभा में वंदेमातरम बिल को हाथ उठाकर समर्थन देते सांसद

### संसाधनों के अभाव में गरीब प्रतिभाशाली बच्चे पीछे रहे

मायावती ने कहा कि यदि रोकथाम की व्यवस्था मजबूत नहीं होगी तो कानून का प्रभाव सीमित रह जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पहले से मौजूद कानून भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे सके, जिससे स्पष्ट होता है कि केवल कानूनी प्रावधान पर्याप्त नहीं हैं। मायावती ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर नियंत्रण के लिए शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार किए जाने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि शिक्षा के लिए मिलने वाले ऋण को अधिक सुलभ और छात्र हितैषी बनाया जाए, सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए और गरीब तथा वंचित वर्ग के बच्चों को समान अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों को भी समान अवसर मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी प्रतिभा के आधार पर आगे बढ़ सकें। मायावती ने कहा कि आर्थिक रूप से संपन्न परिवार अपने संसाधनों के बल पर बेहतर शिक्षा हासिल कर लेते हैं, लेकिन करोड़ों गरीब परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चे संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। उनके अनुसार, पेपर लीक शिक्षा व्यवस्था की बड़ी समस्याओं में से केवल एक उदाहरण है, जबकि मूल चुनौतियां इससे कहीं अधिक गहरी हैं।

## झारखंड में परीक्षा धांधली पर भाजपा का प्रदर्शन

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में हुई कथित धांधली को लेकर भाजपा के सांसदों ने दिल्ली में जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। सांसदों ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है, जिससे युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ गया है। प्रदर्शनकारियों ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को उनका हक दिलाकर रहेंगे।

### दान पात्र की रक्षा न कर पाने वाले पेपर लीक कैसे रोकेंगे?: अखिलेश

लोकसभा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि बात सिर्फ एक ही है, जो लोग आस्था के साथ चढ़ाए गए 'दान-पात्र' की रक्षा नहीं कर पाए, उनसे यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वे पेपर लीक रोकेंगे।

### दोषियों का समर्थन करने वाले शिक्षा मंत्री कैसे?: प्रमोद

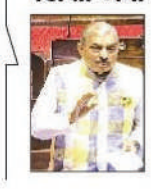

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने आरोप लगाया कि सजा काटकर जमानत पर छूटे बिल्किस बानो के दोषियों का प्रल्हाद जोशी ने खुलकर समर्थन किया था।

**अपमान पर होगी 3 वर्ष की जेल**

### राज्यसभा से 'वंदे मातरम' विधेयक पारित

राज्यसभा ने बुधवार को राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया। अब राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को भी कानूनी संरक्षण मिलेगा। राष्ट्रीय गीत का जानबूझकर अपमान करना या उसके गायन में बाधा डालना अब आपराधिक अपराध माना जाएगा। अपराधों के लिए अधिकतम तीन वर्ष तक की जेल का प्रावधान रखा गया है।

**₹20 पेट्रोल पर गडकरी का संसद में जवाब**

### रबर के पुर्जे और गैस्केट बदलना पड़ सकता है

राज्यसभा में एक लिखित जवाब में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल पर एक अप्रैल 2005 से लागू बीएस-3 मानक वाले और वर्ष 2016 से पहले निर्मित कुछ वाहनों में रबर के कुछ पुर्जे और गैस्केट बदलने की जरूरत पड़ सकती है। ड्राइवबिलिटी, स्टार्ट होने की क्षमता, धातु के पुर्जों और प्लास्टिक के हिस्सों की अनुकूलता जैसे मानकों पर भी कोई समस्या सामने नहीं आई। उन्होंने कहा कि वाहन का माइलेज केवल ईंधन के प्रकार पर नहीं, बल्कि कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है।

### 30 करोड़ वाहन हो जाएंगे कबाड़ः केजरीवाल

आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि 2023 से पहले की बनी करीब 30 करोड़ गाड़ियों को मोदी सरकार ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल करवाकर कबाड़ बनाने पर तुली हुई है। 9 बड़ी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने फोन पर हुई बातचीत में स्वीकार किया कि तकनीकी दृष्टि से ई20 पेट्रोल पुरानी गाड़ियों के इंजन, फ्यूल टैंक और माइलेज को नुकसान पहुंचा रहा है।

## खबर संक्षेप

### 2 अगस्त से 'नशा मुक्त अभियान' शुरू होगा

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 2 अगस्त को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की देशव्यापी शुरुआत करेंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूक करना है।

### इंडक्शन फर्नेस में हादसा, 5 मजदूर झुलसे

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बुधवार सुबह एक औद्योगिक हादसे में पांच मजदूर झुलस गए। यह घटना पूंजीपथरा थाना क्षेत्र स्थित मां शिवा प्लांट में हुई, जहां इंडक्शन फर्नेस में अचानक हुई तकनीकी गड़बड़ी के कारण पांच कर्मचारी इसकी चपेट में आ गए।

### क्रिकेट ग्राउंड के पास इंसानी सिर मिला

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के कोडाथी गांव में बुधवार सुबह एक क्रिकेट मैदान के पास इंसानी सिर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। इससे एक रात पहले, मंगलवार को उसी क्षेत्र के पास रेलवे ट्रैक पर एक सिरविहीन शव बरामद हुआ था।

### पूर्व पर्यावरण मंजूरी मामलों में केंद्र सरकार को झटका

## सुप्रीम कोर्ट ने 2021 के कार्यालय ज्ञापन को रद्द किया, कहा- मंजूरी लेना अनिवार्य नियम

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

**व्यवस्था कार्यालय ज्ञापन के जरिए स्वीकार्य नहीं**

**उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उसका फैसला भविष्य में लागू होगा और पहले पर्यावरणीय मंजूरी पा चुकी परियोजनाएं इससे प्रभावित नहीं होंगी। पीठ ने दोहराया कि पर्यावरणीय ढांचे के तहत पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी अनिवार्य नियम है**

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में केंद्र सरकार के 2021 के उस कार्यालय ज्ञापन को रद्द कर दिया, जिसके तहत बिना पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी के शुरू की गई परियोजनाओं को पूर्वप्रभावी पर्यावरणीय मंजूरी देने की व्यवस्था बनाई गई थी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पांचोली की पीठ ने सर्वसम्मत फैसले में सरकार को कुछ राहत भी प्रदान की। पीठ ने कहा कि यह फैसला भावी प्रभाव से लागू होगा और पहले से पर्यावरणीय मंजूरी (ईसी) प्राप्त परियोजनाएं इससे प्रभावित नहीं होंगी। पीठ ने दोहराया कि पर्यावरणीय ढांचे के तहत पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी अनिवार्य नियम है और सामान्य परिस्थितियों में परियोजनाएं पहले शुरू कर बाद में मंजूरी नहीं ले सकतीं।

### असाधारण परिस्थितियों में ही राहत संभव

न्यायालय ने कहा कि केंद्र सरकार असाधारण परिस्थितियों में और व्यापक जनहित में वैध वैधानिक अधिसूचना के जरिए सीमित अवधि की एकमुश्त राहत योजना ला सकती है। पीठ ने कहा कि ऐसी व्यवस्था कार्यपालिका के कार्यालय ज्ञापन (ओएम) के जरिये नहीं बनाई जा सकती और न ही इसे उल्लंघनों को नियमित करने के स्थायी माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए उच्चतम न्यायालय यदि उचित समझे तो किसी परियोजना को कार्योत्तर (पोस्ट-फैक्टो) पर्यावरणीय मंजूरी दे सकता है। उच्चतम न्यायालय ने एक अप्रैल को पुनर्विचार याचिकाओं सहित सभी याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

### आपराधिक मुकदमे का आधार खत्म तो नौकरी से वंचित नहीं रख सकते

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसले में आपराधिक मामले में बरी हो चुके शास्त्री (पीटीए) शिक्षक की सेवा बहाल करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने शिक्षा विभाग के उन आदेशों को खारिज कर दिया है, जिनमें उनकी बहाली की मांग को ठुकरा दिया गया था। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब आपराधिक मुकदमे का आधार ही खत्म हो गया है तो कर्मचारी को नौकरी से वंचित नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता के खिलाफ मामले के चलते शिक्षा विभाग ने बिना किसी विभागीय जांच के उनकी सेवाएं समाप्त कर दीं। अदालत ने कहा कि चूंकि बर्खास्तगी का मुख्य आधार वह एफआईआर थी जो बाद में अदालत में झूठी साबित हो गई और याचिकाकर्ता बरी हो गया।

**राजस्थान हाईकोर्ट का बड़ा फैसला**

### शिक्षक की डांट आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं, 3 पर लगे आरोप हुए रद्द

**जोधपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि शिक्षकों द्वारा छात्रों को अनुशासन में रखने के लिए डांटना-फटकारना आत्महत्या के लिए उकसाने के समान नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने वर्ष 2005 के बीकानेर छात्रा आत्महत्या मामले में दो शिक्षिकाओं समेत तीन आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 305 के तहत तय आरोपों को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति कुलदीप माथुर ने रवि भटनागर सहित अन्य की आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाओं को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया।

#### स्पष्ट और ठोस प्रमाण जरूरी

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि किसी शिक्षक द्वारा छात्र को नियमित रूप से स्कूल आने, पढ़ाई पर ध्यान देने, कक्षा में अनुशासन बनाए रखने या खराब प्रदर्शन पर डांटने-फटकारने जैसी सामान्य अनुशासनात्मक कार्रवाई को तब तक आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण नहीं माना जा सकता, जब तक आत्महत्या के लिए उकसाने या जानबूझकर सहायता करने का स्पष्ट और ठोस प्रमाण न हो। इसी आधार पर हाई कोर्ट ने बीकानेर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संख्या-6 द्वारा 9 फरवरी 2021 को आरोप तय करने के आदेश को रद्द कर दिया।

**सीजेपी की सख्त चेतावनी**

### छात्रों का उत्पीड़न नहीं रूका तो हम फिर सड़कों पर उतरेंगे

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि अगर छात्रों का उत्पीड़न नहीं रुका और उनके खिलाफ दर्ज मामले वापस नहीं लिए गए, तो पार्टी जल्द ही फिर से सड़कों पर उतरेगी। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को छात्रों ने पुलिस की लाठियां और खून-खराबा झेला। अगर सरकार इतने पर भी नहीं चेती और युवाओं का उत्पीड़न जारी रहा, तो हम बहुत जल्द दोबारा सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार पर ही आंदोलन निर्भर करता है, अगर सरकार सहमत नहीं होती और अपने तरीके को नहीं सुधारती तो जल्द ही हमें नया आंदोलन करेंगे, क्योंकि हमारे पास कोई और रास्त नहीं होगा तो हमें ये करना ही पड़ेगा। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि सरकार ने पहले सार्वजनिक रूप से भरोसा दिया था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी और पुराने मामले भी वापस लिए जाएंगे। लेकिन अब सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देकर कह रही है कि मामला अदालत में विचाराधीन है। सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को बहाना बनाकर अपने वादे से पीछे हट रही है।

### सीजेपी ने राकेश टिकैत से की मुलाकात

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ताओं ने भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत से मुलाकात की है। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में छात्र आंदोलन स्थगित होने के बाद सीजेपी ने अपने आंदोलन को बड़े सामाजिक मुद्दों से जोड़ने के संकेत दिए हैं। सीजेपी के अनुसार, शिक्षा से जुड़े मुद्दों के साथ अब किसानों और युवाओं के सवालों को भी साझा मंच पर उठाया जाएगा। इसी मुद्दे को लेकर सीजेपी नेताओं ने राकेश टिकैत से समर्थन मांगा। उम्मीद की जा रही है कि भारतीय किसान यूनियन और सीजेपी आगे साथ में कोई बड़ा प्रदर्शन कर सकती है।

### कंगना को कोई सीरियस नहीं लेता

अभिजीत दिपके ने ने लोकसभा सांसद कंगना रनौत पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें कोई सीरियस लेता भी है?। बता दें कि कंगना रनौत ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व वाले जेन-जी प्रदर्शनों के वायरल रील्स पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'जनरेशन गटर' करार दिया था।

**काशी विश्वनाथ धाम में सावन को लेकर तैयारियां पूरी**

### एक करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद

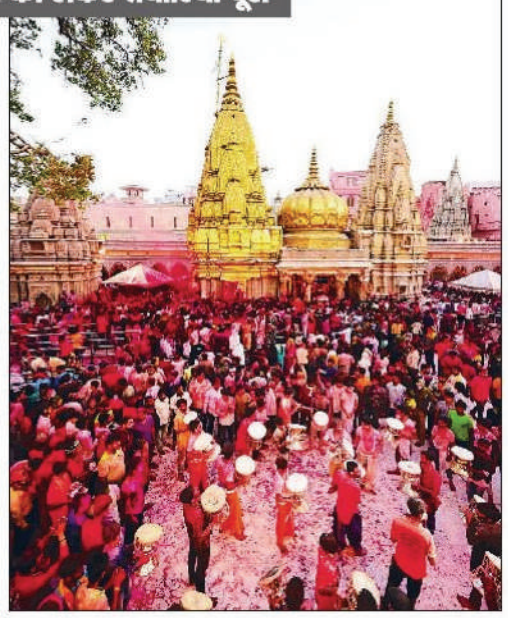

**वाराणसी।** काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रावण मास और कांवड़ की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा ने सावन में काशी विश्वनाथ धाम में लगभग 1 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद जताई है। काशी विश्वनाथ के सभी सोशल मीडिया हैंडल पर श्रद्धालु लाइव दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सावन के महीने में श्रद्धालुओं के स्वागत और सुरक्षा के साथ-साथ उनके दर्शन को सुगम और सुविधाजनक बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं के लिए जिग-जैग कतार व्यवस्था, छायादार जगह, ग्लूकोज-पानी की सुविधा और बारिश से बचाव जैसे इंतजाम किए गए हैं। सावन के पहले और प्रत्येक सोमवार को श्रद्धालुओं पर फूल वर्षा की गई है।

**पटियाला कोर्ट ने कहा, आचरण निंदनीय पर निरंतर हिरासत अनुचित**

## सीजेआई से अभद्र भाषा बोलने वालों को जमानत

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग करने, कोर्ट रूम में कागजात फेंकने, सुरक्षा कर्मी से मारपीट करने और कार्यवाही बाधित करने के आरोप में गिरफ्तार दो कानून के छात्रों प्रबल और चंदन को कोर्ट ने जमानत दे दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि आरोपितों का आचरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं है और इसकी स्पष्ट शब्दों में निंदा की जाती है, लेकिन केवल आरोपों की गंभीर भाषा के आधार पर उन्हें अनिश्चितकाल तक न्यायिक हिरासत में नहीं रखा जा सकता।

### सुप्रीम कोर्ट में अभद्र व्यवहार के आरोप में गिरफ्तारी हुई थी

सुनवाई के दौरान प्रबल प्रताप फाइल फोटो

**अभद्र भाषा के इस्तेमाल का अधिकार नहीं**

अदालत ने कहा कि कोई भी पक्षकार, चाहे वह फैसले से कितना ही असंतुष्ट क्यों न हो या स्वयं अपनी पैरवी कर रहा हो, उसे अदालत में अभद्र भाषा बोलने या मुख्य न्यायाधीश के पद की गरिमा पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं मिल जाता। ऐसे आचरण को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, जमानत पर निर्णय लेते समय भी उसी संतुलित दृष्टिकोण को अपनाया जाना चाहिए।

**आगे गरिमा बनाए रखें**

अदालत ने जमानत की शर्तों में कहा कि दोनों आरोपित जांच और ट्रायल में आवश्यकता पड़ने पर उपस्थित होंगे व भविष्य में सभी न्यायिक कार्यवाहियों के दौरान सख्त शालीनता और अदालत की गरिमा बनाए रखेंगे। स्पष्ट किया कि आदेश केवल जमानत के प्रश्न तक सीमित हैं और मुकदमे के गुण-दोष को प्रभावित नहीं करेंगी।

### संस्थाएं असंयमित व्यवहार से कमजोर नहीं पड़ती

पटियाला हाउस स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट जैसी सर्वोच्च संवैधानिक संस्था किसी एक आक्रोशित और स्वयं पैरवी कर रहे वादी के असंयमित व्यवहार से कमजोर नहीं पड़ती। ऐसे में अधीनस्थ अदालतों को भी जमानत पर विचार करते समय सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रदर्शित संस्थागत संयम का अनुसरण करना चाहिए। दोनों को 25-25 हजार रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया गया।

## अज्ञात लोगों पर मारपीट और रंगदारी मांगने का आरोप,

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के कटी बगिया निवासी विपिन रावत ने प्रमोद विश्वकर्मा, अनूप यादव और कुछ अज्ञात लोगों पर मारपीट और रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। विपिन रावत का कहना है कि 28 जुलाई की रात करीब 8:30 बजे वह अपनी बुआ के घर से लौट रहे थे। आरोप है कि तभी कटी बगिया स्थित शराब के ठेके के सामने आरोपियों ने उन्हें रोक लिया और शराब व रुपये की मांग करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने विपिन पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे विपिन रावत और उनका भतीजा सुजीत रावत घायल हो गए। तब पीड़ित ने रात 9:42 बजे डायल 112 पर सूचना दी। आरोप है कि बाद में आरोपी उसके घर पहुंचकर जान से मारने की धमकी देने लगे। इसके बाद पीड़ित विपिन ने रात 10:19 बजे दोबारा डायल 112 पर सूचना दी। उसका कहना है कि प्रमोद विश्वकर्मा और अनूप यादव सहित कुछ अन्य अज्ञात लोगों ने शराब और रुपए न देने पर मारपीट करते हुए उसे धमकाया है। फिलहाल पीड़ित विपिन की तहरीर पर बंथरा पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

## अज्ञात बदमाश निमार्णाधीन पानी की टंकी से जनरेटर का अल्टरनेटर खोलकर फरार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों निमार्णाधीन पानी की टंकी से अज्ञात बदमाश जनरेटर का अल्टरनेटर खोल ले गए। वहां तैनात सुरक्षा गार्ड ने विरोध करने की कोशिश की तो बदमाशों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सरोजनी नगर के पिपरसण्ड निवासी सरोज सिंह पुत्र स्व. राम अवध सिंह के मुताबिक वह रूपखेड़ा मार्ग स्थित निमार्णाधीन पानी की टंकी पर सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत हैं। सरोज का आरोप है कि 25 जुलाई 2026 की रात करीब दो बजे कुछ अज्ञात लोग परिसर में पहुंचे और उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए मौके पर रखे जनरेटर का अल्टरनेटर खोलकर फरार हो गए।

# भगवान बुद्ध के करुणा, अहिंसा और शांति के संदेश आज भी मानवता के लिए पथप्रदर्शक - केशव प्रसाद मौर्य

## सारनाथ का यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना भारत की सांस्कृतिक विरासत का ऐतिहासिक वैश्विक सम्मान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ/वाराणसी 30 जुलाई 2026। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सारनाथ, वाराणसी में आषाढ़ पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बुद्ध के करुणा, अहिंसा, शांति और मानव कल्याण के संदेश आज भी सम्पूर्ण विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। वैश्विक अस्थिरता, संघर्ष और सामाजिक चुनौतियों के वर्तमान दौर में भगवान बुद्ध के कालातीत विचार मानवता को शांति, सद्भाव और सह-अस्तित्व का मार्ग दिखा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी एवं कुशल नेतृत्व में भारत भगवान बुद्ध की करुणा, अहिंसा और शांति की अमर धरोहर को विश्वभर में नई ऊर्जा और नई प्रतिष्ठा के साथ स्थापित कर रहा है। भारत आज अपनी प्राचीन सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को विश्व समुदाय के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत करते हुए ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ल की भावना को साकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की प्रथम धम्मदेशना-स्थली सारनाथ का यूनेस्को की ह्यविश्व धरोहर सूचीह्ल में शामिल होना भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को प्राप्त एक ऐतिहासिक वैश्विक सम्मान है। यह उपलब्धि न केवल भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना के

वैश्विक महत्व को रेखांकित करती है, बल्कि सारनाथ की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाइयां प्रदान करती है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सारनाथ वह पवित्र भूमि है, जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के उपरांत अपना प्रथम उपदेश देकर धम्मचक्र प्रवर्तन किया था। यहीं से करुणा, सत्य, अहिंसा, मैत्री और मानव कल्याण का संदेश विश्व के विभिन्न देशों तक पहुंचा। सारनाथ आज भी विश्वभर के बौद्ध अनुयायियों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आस्था, ज्ञान एवं शांति का प्रमुख केंद्र है। श्री मौर्य ने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएं किसी एक देश, समाज अथवा समुदाय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती हैं। भगवान बुद्ध ने मानव जीवन में करुणा, सदाचार, संयम, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान को सर्वोच्च महत्व दिया। उनके विचारों को अपनाकर ही विश्व में स्थायी शांति, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक मंच पर नई पहचान मिल रही है। भारत विश्व समुदाय के साथ अपने प्राचीन ज्ञान, संस्कृति और जीवन मूल्यों को साझा करते हुए शांति एवं मानव कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र स्थलों के संरक्षण, संवर्धन और विकास के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आषाढ़ पूर्णिमा का पावन पर्व भगवान बुद्ध के महान संदेशों को स्मरण करने तथा उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का अवसर प्रदान करता है। यह दिवस हमें सत्य, करुणा, अहिंसा, मैत्री और मानव सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी से भगवान बुद्ध के उपदेशों को अपने आचरण में उतारते हुए समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के महासचिव आदरणीय श्री शार्त्से खेंसुर जंगचुप चोएडेन रिम्पोचे जी, केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान के कुलपति डॉ. वांगचुक दोरजी नेगी, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के महानिदेशक राघव प्रसाद भटनागर, भारत-श्रीलंका अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संघ के अध्यक्ष आदरणीय डॉ. के. सिरी सुमेधा थेरो, सम्मानित भिक्षुगण तथा अन्य गणमान्यजन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

## अज्ञात वाहन की टक्कर से सड़क हादसे में भाई की मौत, दूसरा भाई घायल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बाजार से खरीदारी कर वापस घर लौट रहे दो भाइयों को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए ग्रामीणों ने तुरंत आनन फानन दोनों को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने एक की हालत गंभीर देख लखनऊ रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान एक की मौत हो गई। माल थाना क्षेत्र के रनीपारा निवासी अजीत (22) बुधवार शाम को अपने सगे भाई विजय के साथ गुमसेना में लगने वाली साप्ताहिक बाजार से सामान की खरीदारी कर वापस बाइक से सवार होकर घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसपर सवार दोनों भाई छिटक कर दूर जा गिरे जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों का माल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने अजीत की हालत गंभीर देख लखनऊ रेफर कर दिया। जहां

मृतक अजीत फाइल - फोटो

इलाज के दौरान निजी अस्पताल में अजीत की मौत हो गई। मृतक होटल पर काम कर अपना व परिवार का भरण पोषण करता था। मृतक के परिवार में पत्नी अंजली, 11 माह का मासूम लड़का है, पति की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। इस संबंध में माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी के माध्यम से टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है।

## लाखों के जेवर-नकदी पर चोरों का हाथ साफ, पीड़िता बोली- शिकायत के बाद भी नहीं दर्ज हुआ मुकदमा

**रात दो बजे घर में घुसे चोर, परिवार के जागने से पहले समेट ले गए जेवर, नकदी, मोबाइल व जरूरी दस्तावेज**

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के आदर्श नगर में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। चेतना इंटर कॉलेज के बगल स्थित एक मकान को निशाना बनाते हुए चोर लाखों रुपये के जेवर, नकदी, मोबाइल फोन और जरूरी दस्तावेज लेकर फरार हो गए। घटना के बाद से क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है। आदर्श नगर निवासी कुशमा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 27 जुलाई की रात करीब दो बजे घर में खड़खड़ाहट की आवाज सुनकर उनका बेटा और बहू जाग गए। उन्होंने देखा कि एक संदिग्ध व्यक्ति घर का दरवाजा खोलकर बाहर निकल रहा था। जब तक परिवार के लोग उसे पकड़ने का प्रयास करते, वह अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। घर की जांच

करने पर अलमारी में रखे जेवरों के डिब्बे खाली मिले। पीड़िता के अनुसार चोर करीब डेढ़ तोले का सोने का हार, मांगटीका, कान के झाले, सोने का लॉकेट, चांदी की दो जोड़ी पायल, 10 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल फोन तथा जरूरी दस्तावेज चोरी कर ले गए। घटना के तुरंत बाद पीड़िता ने डायल-112 पर सूचना दी। इसके बाद वह थाना ठाकुरगंज पहुंचीं और लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पीड़िता का आरोप है कि कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक केवल जांच का आश्वासन दे रही है। उनका कहना है कि अभी तक न तो चोरी का खुलासा हुआ है और न ही मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता ने पुलिस अधिकारियों से मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर चोरी का खुलासा करने, चोरी गया सामान बरामद करने तथा आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। वहीं, लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय लोगों में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।

## गर्दन काटकर जान देने का प्रयास मौत, रुपये न मिलने पर आत्मघाती कदम का आरोप

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के किठाई पारा गांव में तीन दिन पहले गर्दन काटकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले श्रमिक की मंगलवार देर रात घर पर मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने गांव के ही एक व्यक्ति पर बकाया रुपये न देने के कारण रिंकू को आत्मघाती कदम उठाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी तक इस मामले में कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। किठाई पारा निवासी रिंकू गौतम (32) मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिजनों के अनुसार वह शराब पीने के आदी थे। उनके चचेरे भाई पंकज ने बताया कि रिंकू की पत्नी अंजली और ढाई वर्षीय बेटी आकांक्षा करीब एक वर्ष से काकोरी स्थित मायके में रह रही हैं, जबकि रिंकू गांव में अकेले रहते थे। परिजनों का आरोप है कि रिंकू ने अपना मकान गांव के ही एक व्यक्ति को बेच दिया था। आरोप है कि वह व्यक्ति रोज शराब पीने के लिए उन्हें सौ रुपये देता था। शनिवार शाम रुपये मांगने पर पैसे नहीं मिले, जिससे क्षुब्ध होकर रिंकू घर लौटे और चाकू से अपनी गर्दन काट ली। इसके बाद वह पास के एक बाग में चले गए। ग्रामीणों ने उन्हें लहूलुहान हालत में देखा तो पुलिस और परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मलिहाबाद पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। इलाज के बाद वह घर लौट आए थे, लेकिन मंगलवार देर रात उनकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार ने बताया कि मामले में अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर आरोपों की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मृतक रिंकू फाइल - फोटो

## आत्महत्या के लिए उकसाने वाला आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के एक मामले में करीब साढ़े चार माह से वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है।जबकि दो आरोपियों की तलाश जारी है। गौरतलब है कि बिजनौर के न्यू गुड़ौरा, सेक्टर - ओ, मानसरोवर योजना निवासी विजय कुमार यादव ने बीती 10 फरवरी की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में मृतक की पत्नी सीमा यादव ने बिजनौर थाने में 11 मार्च को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि विजय का अंतिम संस्कार करने के बाद पति के मोबाइल को चेक करने पर उसमें दो वीडियो मिले। जिन पर व्हाट्सएप चैटिंग देखने के बाद पता चला कि तीन व्यक्तियों दुर्गेश सिंह, संजय दुबे और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लोन डिपार्टमेंट में कार्यरत अमित सक्सेना ने माल देने के नाम पर पति विजय से 4 लाख रुपये लिए थे। लेकिन ना ही माल दिया और ना ही पैसे वापस किये। सीमा यादव ने आरोप लगाया था कि इसी को लेकर लगातार मानसिक प्रताड़ना और रुपये न मिलने से परेशान होकर उनके पति ने आत्महत्या कर ली। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही थी। तभी इसमें से एक आरोपी को मुखबिर की सूचना पर मंगलवार रात औरंगाबाद अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम मूल रूप से प्रयागराज जिले के कर्नलगंज थाना अंतर्गत रामचंद्रपुरम सलोरी और वर्तमान में कृष्णा नगर के एलडीए कॉलोनी स्थित सीएमएस स्कूल के पास रहने वाला संजय दुबे बताया।फिलहाल उससे पूछताछ कर बुधवार को जेल भेज दिया गया है । जबकि अन्य दो आरोपियों की तलाश की जा रही है।

## डायरिया नियंत्रण व रोकथाम के लिए विशेष अभियान का शुभारम्भ

**स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशालय-उप्र के अधिकारियों ने प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी**

**ओआरएस-जिंक कॉर्नर का किया शुभारम्भ, पौध रोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश**

**डायरिया रोको अभियान में सहयोग कर रही पीएसआई इंडिया व केनव्यू**

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, 30 जुलाई। शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को डायरिया से पूरी तरह सुरक्षित बनाने और बाल मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से प्रदेश में आगामी 25 अगस्त तक डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) चलाया जा रहा है। इसी के तहत वर्ल्ड ओआरएस डे पर बुधवार को नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अलीगंज से स्वास्थ्य एवं परिवार

कल्याण निदेशालय-उत्तर प्रदेश के संयुक्त निदेशक- प्रजनन और बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) डॉ. ए.के. सिंह ने मिड मीडिया कैम्पेन का विधिवत शुभारम्भ किया। अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू ह्लडायरिया से डर नहींह्ल कार्यक्रम के माध्यम से सहयोग प्रदान कर रहीं हैं। इस मौके पर डॉ. ए. के. सिंह व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने डायरिया से बचाव, कारण, उपचार और रोकथाम सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर और ऑडियो/वीडियो से सुसज्जित प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में समुदाय में डायरिया के प्रति जन जागरूकता लाएंगे। ओआरएस-जिंक कार्नर का शुभारम्भ किया। पौध रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सन्देश भी दिया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी यह सन्देश दिया गया कि दस्त के दौरान माताएं बच्चों को ओआरएस का घोल व जिंक देने के साथ स्तनपान जारी रखें। इसके साथ ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर भी सम्पर्क करें। डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि इसका उपचार पूरी तरह संभव है। बच्चे को दिन में दो-तीन बार पतली दस्त हो तो ओआरएस का घोल और जिंक जरूर दें, क्योंकि यही इसका सही उपचार है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशालय-उत्तर प्रदेश के अपर निदेशक नियमित टीकाकरण डॉ. अजय कुमार गुप्ता ने कहा कि इस वर्ष डायरिया रोको अभियान की थीम ह्लस्वच्छ जल, समुचित उपचार-डायरिया से बचें हर बारह्ल तय की गयी है, जो कि सन्देश देती है कि दस्त की स्थिति में जरूरी सावधानी बरती जाए तो उससे बच्चे को सुरक्षित बनाया जा सकता है। इसके अलावा डायरिया से बचाव के लिए नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत शिशुओं को रोटावायरस वैक्सीन दी जाती है, जिससे डायरिया से होने वाली मृत्यु को काफी हद तक रोका जा सकता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.बी. सिंह ने कहा कि बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। एनएचएम-यूपी के महाप्रबन्धक बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ. मिलिंद वर्धन ने कहा कि डायरिया के प्रति समुदाय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने और ओआरएस व जिंक की महत्ता को भलीभांति समझाने के लिए ही पूरे प्रदेश में 25 जून से 25 अगस्त के मध्य बड़े पैमाने पर स्टॉप डायरिया कैम्पेन चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी. एन. यादव ने कहा कि फ्रंटलाइन वर्कर्स माताओं और परिवार वालों को यह भली भांति बताएं कि ओआरएस का घोल और जिंक बच्चे को सिर्फ डायरिया से ही नहीं बचाता बल्कि उनकी जान को भी जोखिम में जाने से बचाता है। इस मौके पर केनव्यू (ओरसल निमार्ता) के पंकज महाजन ने कहा कि वह डायरिया से होने वाली बच्चों की मौत को रोकने को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इसी को लेकर उत्तर प्रदेश के 13 जिलों में पीएसआई इंडिया के साथ मिलकर ह्यडायरिया से डर नहींह्ल कार्यक्रम को संचालित करते हुए सरकार के स्टॉप डायरिया कैम्पेन में पूरा सहयोग कर रहे हैं। नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अलीगंज के अधीक्षक डॉ. हेमंत कुमार ने अपने पूरे स्टाफ के साथ इस अभियान को सफल बनाने का भरोसा दिया। इस मौके पर पीएसआई इंडिया से समरेन्द्र बेहरा, अमित कुमार, पारुल सक्सेना, अनिल द्विवेदी, धर्मेन्द्र त्रिपाठी, विभीषन, प्रवीन कुमार आदि उपस्थित रहे।

## तेज रफ्तार डंपर ने बुजुर्ग महिला को मारी टक्कर, मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में गुरु पूर्णिमा अवसर पर बुधवार को सत्संग सुनकर वापस लौट रही एक बुजुर्ग महिला को तेज रफ्तार डंपर ने ठोकर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। जबकि उसके साथ मौजूद दो अन्य महिलाएं मामूली रूप से चोटिल हो गई। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जबकि अन्य दोनों महिलाओं को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस के मुताबिक कृष्णा नगर के सेक्टर -डी, एलडीए कॉलोनी निवासी स्व. दयाशंकर वर्मा की पत्नी रीता वर्मा (65) अपनी देवरानी कमला और पड़ोस में रहने वाली गुड्डी देवी के साथ बंथरा थाने के सामने स्थित जसजीत जी के आश्रम में बुधवार को सत्संग सुनने गई थी। जहां से तीनों लोग करीब 3:30 बजे वापस अपने घर लौट रही थी। तीनों महिलाएं आश्रम से कुछ ही दूरी पर बंथरा थाने के पास पैदल सड़क पार करने के लिए कानपुर रोड के किनारे खड़ी थी। तभी लखनऊ से कानपुर की ओर जा रहे तेज रफ्तार डंपर ने रीता को जोरदार ठोकर मार दी। साथ ही कमला और गुड्डी देवी भी चपेट में आ गई। इस घटना से वहां अफरा तफरी मच गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने आनन-फानन तीनों महिलाओं को सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने रीता वर्मा को मृत घोषित कर दिया। जबकि कमला और गुड्डी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। मृतका के पति खाद्य विभाग से रिटायर्ड थे और उनकी करीब 7 वर्ष पहले मौत हो चुकी है। उनके परिवार में बेटा अरविंद कुमार, अमित कुमार और बेटी खुशबू है। उधर घटना के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ आगे की कार्रवाई कर रही है।

## गुरु पूर्णिमा पर जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी ने लिया गुरु का आशीर्वाद

**सद्गुरु स्वामी शब्द प्रकाश जी महाराज के आश्रम में दर्शन कर समाज सेवा व सद्भाव का लिया संकल्प**

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर वार्ड संख्या-6 से जिला पंचायत सदस्य पद के युवा प्रत्याशी नरेंद्र कुमार गौतम ने अपने गुरु स्वामी शब्द प्रकाश जी महाराज के आश्रम पहुंचकर उनके दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए समाज में प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। नरेंद्र कुमार गौतम ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु ही व्यक्ति को ज्ञान, संस्कार और जीवन में सही मार्ग का बोध कराते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु के आदर्शों और शिक्षाओं का अनुसरण कर समाज को बेहतर दिशा दी जा सकती है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आश्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से गुरु का पूजन-अर्चन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने गुरु के बताए मार्ग पर चलने और समाज में आपसी भाईचारा, सेवा तथा सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नरेंद्र कुमार गौतम के साथ उनके परिवारजन एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी मौजूद रहे। गुरुजी ने सभी भक्तों को सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया।

## चार युवकों ने एक युवक को लाठी डंडों और बेल्ट से पीटा

**पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की दी धमकी**

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में सोमवार माती गांव के पास चार युवकों ने मिलकर एक युवक के साथ गाली-गलौज कर लाठी डंडों और बेल्ट से उसे जमकर मारापीटा। बाद में पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।इस मामले में पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर के रायसिंहखेड़ा निवासी अभिषेक यादव उर्फ पुतन के मुताबिक 27 जुलाई 2026 की रात करीब 10:30 बजे वह फ्लिपकार्ट कंपनी के माती स्थित परिसर के पास किसी जरूरी काम से गया था। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद माती निवासी पंकज रावत, सूरज रावत पुत्र लखन रावत, गोलू रावत और रमन रावत ने उसे रोक लिया। बाद में आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और बेल्ट से सरेआम जमकर मारपीट की, जिससे उसके शरीर पर कई जगह चोटें आईं। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के बाद चारों आरोपियों ने उसे धमकी दी कि यदि उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई तो उसे जान से मार दिया जाएगा। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने बिजनौर थाने पहुंचकर मामले की तहरीर दी। पुलिस ने पीड़ित अभिषेक की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

## चोरों ने चार्जिंग प्वाइंट पर खड़ा ई-ऑटो किया पार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों चार्जिंग प्वाइंट पर खड़ा ई-ऑटो चोरी हो गया। जानकारी होने पर काफी खोजबीन के बाद पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनी नगर के बेहसा निवासी शुभम पुत्र बब्लू सिंह के मुताबिक वह महिंद्रा ट्रियो ई-ऑटो (यूपी 32 जेडएन 6416) चलाकर अपना जीविकोपार्जन करता है। शुभम का कहना है कि 20 जुलाई 2026 की शाम करीब सात बजे उसने ट्रांसपोर्ट नगर स्थित फिटनेस ग्राउंड, बेहसा के पास मैसिव चार्जिंग प्वाइंट पर अपना ई-ऑटो चार्जिंग के लिए खड़ा किया था। लेकिन अगले दिन सुबह करीब 10 बजे जब वह अपना ई ऑटो लेने पहुंचा तो ई-ऑटो वहां नहीं मिला।

## संक्षेप

### संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने निगला जहरीला पदार्थ हुई, मौत

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र के शिव नगर मोहल्ले में एक 36 वर्षीय महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान गुड़िया पत्नी राम किशोर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गुड़िया की शादी करीब 20 साल पहले राम किशोर से हुई थी। उनके परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं। यह घटना बुधवार तड़के करीब साढ़े 3 बजे हुई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल महिला द्वारा जहरीला पदार्थ खाने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी

### दरवाजे पर आकर युवक ने किया गाली गलौज

सुमेरपुर, उन्नाव। बारासगवर थाना के गाँव बक्सर निवासी मनीष ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह चित्रकूट गया था घर मे उसकी माँ गीता देवी ,चाची मुन्नी देवी , पत्नी मोनी यादव व ढाई वर्ष की छोटी बच्ची घर पर थी। सोमवार दोपहर पडोसी गंगासागर उसके दरवाजे पर आकर गाली गलौज करने लगा व घर मे घुसने का प्रयास किया जब मेरी माता जी ने दरवाजा बन्द कर लिया तब गंगासागर ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

### 31 जुलाई को लोक नगर में लगेगा माटीकला जागरूकता शिविर

उन्नाव। कामगारों को मुफ्त टूल-किट, प्रशिक्षण और रोजगार योजनाओं की मिलेगी जानकारी माटीकला से जुड़े कामगारों और शिल्पकारों को जागरूक करने के लिए उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा 31 जुलाई को उन्नाव में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम 31.07.2026 को पूर्वान्ह 11 बजे लोक नगर, उन्नाव में होगा। इसमें मिट्टी का कार्य करने वाले शिल्पकारों को बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना, निःशुल्क टूल-किट वितरण योजना, कौशल विकास प्रशिक्षण योजना और माटीकला पुरस्कार योजना की जानकारी दी जाएगी। साथ ही इन योजनाओं के लाभ और आवेदन की प्रक्रिया भी समझाई जाएगी। अधिकारियों ने जिले के सभी माटीकला शिल्पकारों से अपील की है कि वे शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ उठाएं

# एक पेड़ गुरु के नाम, एक संकल्प हरित गाँव के नाम

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा, औरास, उन्नाव में गुरु वंदन के साथ प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और जिम्मेदारी का अनूठा संगम देखने को मिला। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर आयोजित ह्यप्रकृति वंदन एवं गुरु वंदनह्ल कार्यक्रम में बच्चों ने प्रभारी पुलिस कंट्रोल रूम उन्नाव एवं सीनियर सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्र अपूर्व द्वारा शुरू किए ग्रीन एंड क्लीन यूपी कैंपेन के मुख्य सह संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा के निर्देशन में प्रकृति संरक्षण को व्यवहार में उतारने का संदेश दिया। बच्चों ने वृक्ष मेरा गुरु, मेरा पेड़झमेरी जिम्मेदारी और वृक्ष बिना कुछ माँगे हमें देना सिखाता है जैसे संदेशों पर आकर्षक पोस्टर बनाए। प्रकृति वंदन करते हुए बच्चों ने बताया कि वृक्ष भी गुरु की तरह निःस्वार्थ देना, धूप सहकर दूसरों को छाया देना और जड़ों से जुड़े रहकर निरंतर आगे बढ़ना सिखाते हैं। गुरु पूर्णिमा को समर्पित करते हुए विद्यालय परिसर में एक पेड़ गुरु के नाम लगाया गया। साथ ही गोल्ड मोहर, जामुन, पकड़िया और अमरूद के पौधे रोपकर बच्चों ने उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी अपने हाथों में ली। बच्चों ने सामूहिक संकल्प लिया– हम पेड़ लगाएंगे और उन्हें बचाएंगे। नियमित पानी देंगे, उनकी देखभाल करेंगे और पौधे से वृक्ष बनने तक उनका साथ निभाएंगे। इस पहल को एक बच्चाझएक पेड़झएक जिम्मेदारी का स्वरूप दिया गया।

हाल ही में प्रभागीय वनाधिकारी, उन्नाव द्वारा परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के पर्यावरणीय प्रयासों की सराहना से उत्साहित विद्यार्थियों ने इस अभियान को विद्यालय की चहारदीवारी से बाहर ले जाने का भी संकल्प लिया। बच्चों ने डीएफओ के समक्ष रामपुर गढ़ौवा को ह्यहरित गाँवह्ल बनाने का लक्ष्य रखते हुए तय किया कि वे अपने परिवार और ग्रामीणों को भी पौधरोपण एवं संरक्षण से जोड़ेंगे।

कार्यक्रम में शशि देवी, इंद्रपाल, रमनजीत कौर एवं शाहे खुबा उपस्थित रहीं और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की समस्त गतिविधियाँ डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा के निर्देशन में संपन्न हुईं।

# बजरंग दल के कार्यकताओं ने, गौवंशों से भरे ट्रक को पकड़ा जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर ! में मंगलवार रात बजरंग दल के कार्यकताओं ने गौवंश से भरे दो ट्रकों को रोका। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रकों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। यह घटना इंडियन ढाबा के बाहर हुई, जहां देर रात तक भारी पुलिस बल तैनात रहा और बजरंग दल के कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बजरंग दल के कार्यकताओं को गौवंश के अवैध परिवहन की सूचना मिली थी। इसके बाद उन्होंने ट्रकों को रोका और पुलिस को सूचित किया। सदर कोतवाली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया।सदर कोतवाली प्रभारी सी.के. मिश्रा और किला चौकी प्रभारी उग्रसेन सिंह सहित कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। देर रात करीब एक बजे तक पुलिस अधिकारियों की निगरानी में ट्रकों में लदे गौवंश और उनके दस्तावेजों की गहन जांच जारी

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों ट्रक गोरखपुर से मध्य प्रदेश की ओर जा रहे थे। पुलिस परिवहन से संबंधित दस्तावेजों, पशुओं के स्वास्थ्य प्रमाणपत्रों और अन्य आवश्यक अभिलेखों का सत्यापन कर रही है। यह भी जांच की जा रही है कि गौवंश का परिवहन नियमों के अनुसार किया जा रहा था या नहीं !

घटना स्थल पर बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता मौजूद थे, जो कार्रवाई की मांग करते हुए नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें शांत कराया और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# झाड़ियों के बीच बैग में मिली नवजात बच्ची ग्रामीणों के तरह तरह की चर्चाए

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। बुधवार सुबह घर के बाहर त्योहार की पूजा करने को निकली महिला ने घर के पीछे झाड़ियों से बच्ची के रोने की आवाज सुन देखा तो एक बैग में नवाजात बच्ची दिखी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सी एच सी पहुंचाया जहा डाक्टर ने जिला अस्पताल भेज दिया ।बच्ची को गोद लेकर पालने की इच्छा जता कई लोग जिला अस्पताल भी पहुंचे ।

कोतवाली क्षेत्र के गाव सफियापुर मे बुधवार सुबह नन्ही देवी पत्नी स्व बाबूलाल घर के बाहर पूर्णिमा पूजा के लिए निकली जैसे घर के पीछे पहुंची तो गांव के ही चंद्रपाल यादव के खेत में झाड़ियों के बीच बैग में नवजात के रोने की आवाज सुनाई पड़ी। नन्ही ने गांव के कई लोगों को बुलाकर बताया और बैग को खोल कर देखा तो बच्ची थी। जिसे कोई रात के अंधेरे में छोड़ गया था। ग्रामीणो की सूचना पर पहुचे पुलिस कर्मियों की मदद से सी एच सी पहुचाया गया जहा मौजूद बाल रोग विशेषज्ञ ने परीक्षण कर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया ।डाक्टर ने बच्ची को खतरे से बाहर बताते हुए बेहतर देख रेख की आवश्यकता बताई ।

वहीं दूसरी तरफ सूचना मिलते ही कई परिवार सी एच सी पहुचे जिन्होंने बच्ची को पालने की इच्छा जताई सभी को चाइल्ड केयर सेंटर उन्नाव भेज दिया गया है ।

# मोबाइल चोरी का पुलिस ने किया खुलासा दो गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली के नवाबगंज हाईवे स्थित सीएचसी के सामने जय अम्बे मेडिकल स्टोर से मोबाइल चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया। सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का मोबाइल समेत कुल 10 मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त टीवीएस राइडर बाइक तथा एक अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। सोमवार की देर शाम मेडिकल स्टोर संचालक यशराज गुप्ता दुकान पर ग्राहकों को दवा दे रहे थे। इसी दौरान स्कूटी से पहुंचे दो युवकों में से एक ने काउंटर के पास रैक पर रखा मोबाइल उठा कर साथी के साथ फरार हो गया था। सूचना मिलते ही अजगैन पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल की लोकेशन के आधार पर जांच शुरू की ।प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह नेतृत्व में पुलिस टीम ने बीती रात पंछी विहार रिंग रोड पुलिया के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उनकी पहचान विशाल यादव निवासी छतरपुर (मध्य प्रदेश) तथा आशीष पुत्र अरुण अहिरवार निवासी सरबई, जिला छतरपुर (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई। दोनों ने मेडिकल स्टोर से मोबाइल चोरी की घटना स्वीकार की ।पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी के आठ मोबाइल फोन, दो अन्य मोबाइल, घटना में प्रयुक्त बाइक और एक अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किया। आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया गया है।

# विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम देखी जमीनी हकीकत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम ने अचलगंज क्षेत्र में टीकाकरण, संचारी रोग नियंत्रण व फाइलेरिया उन्मूलन सहित स्वास्थ सेवाओं की जमीनी हकीकत देखी और उन्हें और बेहतर बनाने के लिए ग्रामीणों से वार्ता कर सुधार के निर्देश दिए है।

भारत सरकार डब्लू एच ओ प्रतिनिधि डॉ यवान जे एफ हूटिन के नेतृत्व में बुधवार को टीम सामुदायिक स्वास्थ केंद्र पहुंची ।जहां विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा संचलित कार्यक्रमों को जायजा लिया ।टीम ने कांटी विद्यालय पहुंच कर वहां चल रहे टीकाकरण कार्यक्रम को देखा और बच्चों व धात्रियों से इसके प्रभावों के संबन्ध में जानकारी की। इसके बाद टीम ने लोहचा गांव में चल रहे संचारी कार्यक्रमों को मौके पर जाकर देखा। सीएचसी पहुंच कर फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा की और इसे समूल नष्ट करने की दिशा में और प्रयास तेज करने पर बल दिया।टीम में डॉ टिगरान एवज्ञान सहित संगठन से जुड़े पदाधिकारी शामिल रहे। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ मनीष बाजपेयी ने स्वास्थ सेवाओं से संचालित कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

# परियर गंगा तट पर उमड़ी आस्था, अव्यवस्थाओं ने बढ़ाई श्रद्धालुओं की परेशानी

अमन लेखनी समाचार

परियर, उन्नाव। गुरु पूर्णिमा एवं आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार तड़के ब्रह्ममुहूर्त से ही परियर गंगा तट पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद तीर्थ पुरोहितों से कथा श्रवण कर पूजा-अर्चना की तथा बाबा बलखंडेश्वर महादेव और जानकी कुंड आश्रम में जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

मेले को लेकर जिला प्रशासन पिछले कई दिनों से तैयारियों में जुटा था। सदर उपजिलाधिकारी राजेश विश्वकर्मा ने परियर से गंगा तट तक कई बार निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। इसके बावजूद कार्यदायी संस्था की लापरवाही के चलते निमार्णाधीन सड़क, अधूरी पुलिया और मार्ग पर पड़ी निर्माण सामग्री ने श्रद्धालुओं की मुश्किलें बढ़ा दीं।

सुबह करीब पांच बजे से ही परियर गंगा तट की ओर जाने वाले मार्गों पर लगभग छह किलोमीटर लंबा जाम लग गया। भीड़ और यातायात बाधित होने के कारण कई श्रद्धालुओं को गंगा तट तक पहुंचने में कठिनाई हुई, जबकि कुछ लोगों ने मजबूरन मंदिरों और आश्रम परिसर में ही पूजा-अर्चना कर लौटना उचित समझा। रास्ते में फैली निर्माण सामग्री के कारण बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ा।

हालात को नियंत्रित करने के लिए सफीपुर थाना प्रभारी संदीप मिश्रा, माखी थाना प्रभारी योगेश, परियर चौकी प्रभारी अनिल कुमार राजपूत पुलिस बल के साथ लगातार मौके पर डटे रहे। वहीं राजस्व विभाग की ओर से नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी सहित प्रेमशंकर, प्रदीप कमल, दीपचंद्र एवं अन्य अधिकारी भी व्यवस्थाएं संभालते रहे। स्थानीय लोगों ने कार्यदायी संस्था की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि निर्माण कार्य समय पर पूरा कर लिया जाता तो श्रद्धालुओं को इतनी कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ता। उनका कहना है कि अधूरे कार्यों के कारण प्रशासन की तैयारियों पर भी प्रश्नचिह्न लग गया।

# तहसील सभागार में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा तहसील सभागार में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विधायक श्रीकांत कटियार ने नवनियुक्त आंगनवाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर विधायक श्रीकांत कटियार ने कहा कि आंगनवाड़ी सहायिकाएं सरकार की मातृ एवं शिशु कल्याण योजनाओं की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सभी नवनियुक्त सहायिकाएं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा बाल विकास के क्षेत्र में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में आंगनवाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं की अहम भूमिका होती है। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी बृजमोहन शुक्ला ने भी नवनियुक्त सहायिकाओं को बधाई देते हुए उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी नवनियुक्त सहायिकाओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

# सर्विस रोड पर दर्दनाक हादसा बोलेरो की टक्कर से वृद्धा की मौत, बेटी-दामाद घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के गंगा एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड पर मंगलवार रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 70 वर्षीय वृद्धा की मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी और दामाद गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद बोलेरो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान माखी थाना क्षेत्र के गंगई खेड़ा गांव निवासी नन्हक्की (70) पत्नी स्वर्गीय सीताराम के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, वह करीब दस दिन पहले अपनी बेटी राम देवी (35) की ससुराल आसीवन थाना क्षेत्र के कुरसठ ग्रामीण के मजरा बादुल्ला खेड़ा आई थीं। मंगलवार रात वह बेटी और दामाद राकेश (40) के साथ बाइक से अपने गांव लौट रही थीं।

बताया गया कि परसौरा गांव के पास गंगा एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड पर पीछे से तेज रफ्तार में आ रही बोलेरो ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने परिजनों को सूचना दी।

सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की सहायता से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मियागंज पहुंचाया। वहां मौजूद चिकित्सक डॉ. अभिषेक चक्रवर्ती ने जांच के बाद नन्हक्की को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल राम देवी को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि राकेश का उपचार सीएचसी में किया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद बोलेरो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर आसीवन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आसीवन थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही फरार बोलेरो चालक की तलाश की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# सड़क हादसे में एक महिला की मौत, चार लोग गंभीर रूप से घायल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के बिल्हौर मार्ग पर बुधवार को गंगा स्नान के लिए नानामऊ घाट जा रहे श्रद्धालु सडक हादसे के शिकार हो गए। हादसों में घायल एक महिला की मौत हो गई। जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के ग्राम गोपीखेड़ा निवासी जयराम अपनी पत्नी रामरति (60) के साथ बाइक से नानामऊ घाट गंगा स्नान करने जा रहा था। रास्ते में ग्राम मदारनगर के निकट ओवरटेक के दौरान विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक सड़क पर पलट गई। हादसे में रामरति गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि जयराम को मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने रामरति की हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले जा रहे थे। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव लेकर घर लौट गए। मृतका अपने पीछे एक पुत्र और तीन विवाहित पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। वहीं कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचूपुरवा निवासी रामू पुत्र तुलसीराम पैदल गंगा स्नान के लिए नानामऊ घाट जा रहे थे। रास्ते में अज्ञात कार ने उसे टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे भी प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया। इसके साथ ही एक अन्य सड़क दुर्घटना में फतेहपुर-84 थाना क्षेत्र के ग्राम पखरापुर निवासी जीत कुमार पुत्र किशनलाल, प्रांशु कश्यप पुत्र अनिल कुमार तथा सर्वेश कुमार पुत्र रामकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने हादसों की जानकारी लेकर अज्ञात वाहनों की तलाश शुरू कर दी है।

# वाशिंग मशीन से कपड़े निकाल रही महिला को लगा जोरदार विद्युत करंट

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर के मोहल्ला घूरेटोला में बुधवार को वाशिंग मशीन से कपड़े निकालते समय एक युवती को तेज विद्युत करंट लग गया। करंट का झटका इतना जोरदार था कि वह संतुलन खोकर सिर के बल जमीन पर गिर पड़ी। जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद परिजन आनन-फानन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए मोहल्ला घूरेटोला निवासी अर्सलान खान की पुत्री नाजिया घर में वाशिंग मशीन से धुले हुए कपड़े निकाल रही थी। इसी दौरान मशीन में अचानक करंट उतर आया और नाजिया उसकी चपेट में आ गई। तेज झटके से वह दूर जा गिरी और सिर में गंभीर चोट लगने से घायल हो गई। परिजनों ने तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कर उसे अस्पताल पहुंचाया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर बताते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

## मार्ग दुर्घटना में तीन घायल हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार के सुमेरपुर -बक्सर मार्ग पर हुई सड़क दुर्घटनाओ में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्तपताल रिफर कर दिया गया है। गुरु पूर्णिमा का अवसर होने के कारण मंगलवार रात से गंगा स्नानार्थियों की भीड़ चल रही थी। मंगलवार देर रात भटखेरवा गाँव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से अज्ञात युवक गंभीर रूप से घायल हो गया । राहगीरों की सूचना पर घायल को सुमेरपुर अस्तपताल लाया गया ।उसके दोनो पैर व एक हाथ टूटा बताया जा रहा । वही बुधवार शुबह मनिकापुर के पास पिकअप की टक्कर से बाइक सवार पिता सुशील पुत्र प्रेमशंकर व उनका सात वर्षीय पुत्र पीयूष निवासी भटवा थाना कोतवाली सदर उन्नाव गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्तपताल में मौजूद डॉक्टर अनिमेष त्रिपाठी ने बताया अज्ञात युवक की हालत अत्यंत गंभीर है, सभी घायलों को जिला अस्तपताल रिफर कर दिया गया है। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया अज्ञात युवक का पता लगाया जा रहा जबकि पिकअप को पकड़ने में सीसीटीवी की मदद ली जा रही है। परिजनों ने अभी कोई तहरीर नही दी है।

## सम्पादकीय

# आंदोलन खत्म, अब सुधारों की बारी

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर चला छात्रों का आंदोलन आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद समाप्त हो गया। अब आंदोलन खत्म होने के बाद देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लागू करने की बारी है, ताकि जवाबदेही तय हो सके और परीक्षाओं में पारदर्शिता आए। परीक्षा प्रणाली में ऐसे ठोस और संस्थागत सुधार किए जाएं, जो भविष्य में इस तरह के संकट की पुनरावृत्ति रोक सकें और करोड़ों विद्यार्थियों का भरोसा फिर से मजबूत करें। अब देश की निगाहें सरकार द्वारा प्रस्तावित परीक्षा सुधारों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर टिकी हैं। वहीं, केंद्र सरकार सोमवार को लोकसभा में कड़े नकल विरोधी कानून से जुड़ा 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पेश करेगी। प्रस्तावित संशोधनों के तहत दोषियों के लिए 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। यदि संसद से पारित होकर ये प्रावधान प्रभावी ढंग से लागू होते हैं, तो परीक्षा माफिया के खिलाफ एक स्पष्ट और सख्त संदेश जाएगा। मामलों की सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों का प्रस्ताव भी महत्वपूर्ण है। जांच को दो माह के भीतर पूरा करने और आरोप-पत्र दाखिल होने के बाद तीन माह के भीतर सुनवाई समाप्त करने की समय-सीमा तय करना न्याय प्रक्रिया को गति देने का प्रयास है। यदि यह व्यवस्था व्यवहार में भी उतनी ही प्रभावी साबित होती है, तो वर्षों तक लंबित रहने वाले मामलों की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है और कानून का भय भी बढ़ेगा। दूसरी तरफ सरकार ने इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधारों के लिए एक हाई पावर्ड टास्क फोर्स का गठन किया है। यह कदम इस बात का संकेत है कि सरकार परीक्षा व्यवस्था में केवल तात्कालिक नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और संरचनात्मक बदलाव चाहती है। इस टास्क फोर्स से अपेक्षा है कि वह प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित जोखिम पहचान, परीक्षा संचालन, डेटा सुरक्षा और संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक सुझाव देगी। यदि इसकी सिफारिशों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाता है, तो देश की परीक्षा प्रणाली अधिक आधुनिक, सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकती है। सरकार ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं (सीबीटी) के विस्तार, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और तकनीकी सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं के सपनों का आधार होती हैं। यदि उन्हें यह भरोसा नहीं रहेगा कि उनकी सफलता केवल उनकी मेहनत से तय होगी, तो पूरी शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। इसलिए सुधारों का लक्ष्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाना होना चाहिए, जिसमें गड़बड़ी की गुंजाइश ही न्यूनतम रह जाए। आंदोलन समाप्त हो चुका है, लेकिन सुधारों की असली परीक्षा अब शुरू हुई है। यदि सरकार घोषित कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी सुधारों को ईमानदारी और समयबद्ध तरीके से लागू करती है, तो यह केवल परीक्षा प्रणाली ही नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य में विश्वास को भी नई मजबूती देगा। अब देश को इस्तीफों से आगे बढ़कर स्थायी सुधारों का परिणाम देखना है।

अर्थव्यवस्था

डॉ.जयंतीलाल भंडारी

# अमेरिका से बढ़ती आर्थिक चुनौतियां

अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 1,00,000 डॉलर (लगभग 85-95 लाख रुपये) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है।

इन दिनों अमेरिका में एच-1बी वीजा रोक की तैयारी और भारत के लिए बढ़ते हुए टैरिफ से संबंधित तीन परिदृश्य भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां के रूप में दिखाई दे रहे हैं। एक, 25 जुलाई को अमेरिकी सीनेट में एच-1बी वीजा पर 3 साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक पेश किया गया है। दो, 24 जुलाई से धारा 301 के तहत अमेरिका में भारतीय आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। तीन, 1 अगस्त 2026 से अमेरिका के द्वारा आयात की जाने वाली भारत की जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200 प्रतिशत तक टैरिफ का ऐलान किया गया है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 1,00,000 डॉलर (लगभग 85-95 लाख रुपये) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है। हालांकि, 1 लाख डॉलर की भारी फीस वाले प्रशासनिक आदेश पर अदालती रोक फिलहाल बरकरार है, फिर भी संसद में पेश इस नए विधेयक ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। यदि यह कानून लागू होता है, तो भारतीय पेशेवरों और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए चुनौतियां काफी बढ़ सकती हैं। शुरुआत में भारत पर 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव था, जिसे घटाकर 10 प्रतिशत किया गया है। भारत द्वारा अपनी विदेश व्यापार नीति में सुधार कर जबरन मजदूरी से बने सामानों पर प्रतिबंध लगाने के कारण यह राहत मिली है। यह बात महत्वपूर्ण है कि अमेरिका भारत का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार और सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच लगभग 141 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ था, जिसमें भारत का कुल निर्यात 87.3 अरब डॉलर रहा था। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की बड़ी हिस्सेदारी होने के कारण वस्त्र उद्योग, रत्न एवं आभूषण, वाहन कलपुर्जे जैसे क्षेत्रों के लाभ मार्जिन पर सीधा प्रहार होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में यह भी चिंताजनक है कि 22 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आयातित जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से टैरिफ लागू करने की घोषणा की गई है। इस नीति के तहत 1 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2028 तक, यानी शुरुआती दो वर्षों के लिए, आयातित जेनेरिक दवाओं को टैरिफ से पूरी तरह मुक्त रखा गया है, ताकि अमेरिकी बाजार में दवा आपूर्ति में तुरंत कोई बाधा न आए। इसके पश्चात, 1 अगस्त 2028 से 31 जुलाई 2029 तक एक वर्ष के लिए दवाओं के मूल्य पर सीधे 100 प्रतिशत का टैरिफ लागू किया जाएगा। अंततः 1 अगस्त 2029 के बाद इस टैरिफ को बढ़ाकर 200 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया जाएगा। ट्रंप द्वारा जेनेरिक दवाओं पर इस कड़े टैरिफ ढांचे को

अपनाने का मुख्य उद्देश्य विदेशी दवा कंपनियों को अमेरिका के भीतर निर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए बाध्य करना है। जो दवा निर्माता दी गई इस समयावधि के भीतर अपना उत्पादन घरेलू स्तर पर अमेरिका में स्थानांतरित नहीं करेंगे, उन पर 200 प्रतिशत का भारी आर्थिक दंडस्वरूप टैरिफ लागू होगा। अब अमेरिकी टैरिफ की इस नई चुनौती से निपटने के लिए भारत को कई रणनीतिक बिंदुओं पर तुरंत ध्यान केंद्रित करना होगा। अगस्त 2026 से जुलाई 2028 तक मिलने वाली शून्य प्रतिशत शुल्क की अवधि का उपयोग भारतीय कंपनियों और सरकार को दीर्घकालिक रणनीति बनाने में करना चाहिए। बड़ी भारतीय दवा कंपनियों को यह मूल्यांकन करना होगा कि क्या अमेरिका में स्थानीय संयंत्र स्थापित करना या वहां की कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारी करना आर्थिक रूप से व्यावहारिक है। चूंकि अमेरिका में प्लांट लगाने और एफडीए मंजूरी में भारी निवेश लगता है, इसलिए यह देखना होगा कि टैरिफ लगने के बाद भी क्या भारतीय दवाएं अमेरिकी विकल्पों से सस्ती रह पाती हैं या नहीं। भारत को अपनी निर्भरता केवल अमेरिकी बाजार तक सीमित न रखकर यूरोपीय संघ, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के उभरते बाजारों में अपना निर्यात तेजी से बढ़ाना चाहिए। पारंपरिक जेनेरिक दवाओं के स्थान पर अब जटिल जेनेरिक और बायोसिमिलर दवाओं के शोध व विकास पर अधिक ध्यान देना होगा। भारत को अपनी लागत-कुशल उत्पादन रणनीति और दवाओं की विश्वस्तरीय गुणवत्ता पर निरंतर ध्यान देना होगा। सरकार को फार्मा पार्कों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा और दवा उद्योग के साथ आईटी व डिजिटल विशेषज्ञता को एकीकृत करना होगा। स्वदेशी फार्मास्युटिकल अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दवा अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाना होगा तथा वैश्विक नियामक प्राधिकरणों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। यद्यपि पिछले वर्ष ब्रांडेड दवाओं पर लगाया गया टैरिफ भारत के लिए बेअसर साबित हुआ था, लेकिन अब जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ की यह नई चुनौती अधिक गंभीर है।

भारत को अपनी फार्मा रणनीति को नए सिरे से गढ़ना होगा। निश्चित रूप से टैरिफ की चुनौतियों के मद्देनजर अमेरिका व भारत के बीच अंतिम आकार ले रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की अहमियत बढ़ गई है। ऐसा एक औपचारिक और संतुलित व्यापार समझौता भारत के प्रमुख निर्यात उत्पादों जैसे दवाई, रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, मसाले और हस्तशिल्प पर अमेरिकी शुल्क दरों को काफी कम या शून्य दर पर ला सकता है। इससे धारा 301 के तहत लगे 10 प्रतिशत टैरिफ और भविष्य में जेनेरिक दवाओं पर लगने वाले भारी टैरिफ का असर स्वतः समाप्त या सीमित हो जाएगा, जिससे भारतीय निर्यातक अमेरिकी बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रख सकेंगे। द्विपक्षीय व्यापार समझौते का दूसरा सबसे बड़ा लाभ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की केंद्रीय भूमिका के रूप में सामने आएगा। दुनिया के प्रमुख देश अब किसी एक बाजार पर अति-निर्भरता समाप्त कर सुरक्षित विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इस समझौते के माध्यम से अमेरिकी कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन कलपुर्जे, सौर ऊर्जा और सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्रों में भारत को एक विश्वसनीय और पसंदीदा वैश्विक केंद्र के रूप में चुनेंगी। इससे न केवल देश में बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि घरेलू विनिर्माण क्षमता का भी अभूतपूर्व विस्तार होगा। लॉजिस्टिक्स लागत घटाकर तथा अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक अपनाकर भारतीय उत्पादों को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाना आवश्यक है।

इस्तीफा

डॉ. घनश्याम बादल

# सत्ता की सबसे बड़ी परीक्षा चुनाव नहीं, विश्वास

सत्ता कभी यह स्वीकार नहीं करती कि वह दबाव में है। वह निर्णयों को दूरदर्शिता का नाम देती है, परिस्थितियों को सामान्य बताती है और विरोध को राजनीति कहकर खारिज करती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि कभी-कभी सड़क संसद से अधिक प्रभावशाली हो जाती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा भी उसी सत्य की पुनर्पुष्टि है। यह केवल एक मंत्री के पद छोड़ने की घटना नहीं है। यह उस बेचैनी का राजनीतिक स्वीकार है जो पिछले कुछ समय से देश के युवाओं के मन में उबल रही थी। प्रश्न केवल परीक्षा का नहीं था।

प्रश्न यह था कि क्या इस देश में मेहनत करने वाले छात्र का भविष्य सुरक्षित है? क्या उसकी सफलता उसकी योग्यता तय करेगी या व्यवस्था की लापरवाही? जब ये प्रश्न लाखों युवाओं के भीतर एक साथ उठते हैं, तब उनका उत्तर किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस से नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों से देना पड़ता है। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा उसी उत्तर का पहला वाक्य है, पूरी कहानी नहीं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि सरकार ने वह किया, जिसे वह लंबे समय तक करने से बचती रही। पहले सफ़ाइयां दी गईं। फिर जांच बैठी। फिर सुधारों का आश्वासन दिया गया। उसके बाद भी जब आक्रोश शांत नहीं हुआ तो अंततः राजनीतिक उत्तरदायित्व स्वीकार करना पड़ा। यह स्वीकारोक्ति जितनी आवश्यक थी, उतनी ही विलंबित भी। राजनीति में देर से लिया गया सही निर्णय भी कई बार अधूरा साबित होता है।

यदि यही कदम तब उठाया जाता, जब युवाओं का विश्वास पहली बार डगमगाया था, तो शायद सड़कों पर उतरने की नौबत ही नहीं आती। सरकार ने अंततः घाव पर मरहम लगाया, लेकिन तब जबकि घाव नासूर बनने लगा था। भाजपा के लिए यह घटना एक गंभीर राजनीतिक संदेश है। पिछले एक दशक में पार्टी ने निर्णायक नेतृत्व और मजबूत प्रशासन की छवि बनाई है। किंतु निर्णायक नेतृत्व का अर्थ केवल कठोर निर्णय लेना नहीं होता; समय पर सही निर्णय लेना भी होता है। यदि जनता यह मानने लगे कि सरकार केवल दबाव पड़ने पर ही प्रतिक्रिया देती है, तो उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी-विश्वसनीयता-धीरे-धीरे क्षीण होने लगती है। यहां विपक्ष भी पूरी तरह निर्दोष नहीं है। किसी मंत्री का इस्तीफ़ा लोकतंत्र की अंतिम विजय नहीं होता। यदि विपक्ष इसे केवल राजनीतिक ट्रॉफी बनाकर रख देगा और शिक्षा व्यवस्था के व्यापक सुधारों पर गंभीर विमर्श नहीं करेगा, तो वह भी युवाओं की अपेक्षाओं के साथ न्याय नहीं कर पाएगा। आंदोलन का उद्देश्य व्यक्ति नहीं, व्यवस्था होनी चाहिए। अब सबसे बड़ा प्रश्न जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन का है। क्या मंत्री के इस्तीफ़े के बाद धरना समाप्त हो जाएगा?

यदि ऐसा होता है, तो यह मानना पड़ेगा कि आंदोलन का लक्ष्य व्यक्ति था, व्यवस्था नहीं। लेकिन यदि आंदोलन जारी रहता है और उसकी मांगें परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, संस्थागत सुधार, जवाबदेही और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा तक विस्तृत होती हैं, तब यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अधिक परिपक्व संकेत होगा। आंदोलनों की सफलता किसी पदत्याग से नहीं, नीतिगत परिवर्तन से मापी जाती है। आगामी चुनावों पर इसका प्रभाव अवश्य पड़ेगा, पर उसकी तीव्रता सरकार के अगले कदम तय करेंगे। मतदाता भूल भी जाता है, पर युवा अपमान नहीं भूलता। यदि उसे लगे कि उसकी मेहनत का सम्मान लौटा है, तो राजनीतिक क्षति सीमित रह जाएगी। लेकिन यदि यह धारणा बनी कि केवल एक चेहरा बदला गया और व्यवस्था वैसी ही रही, तो यह असंतोष मतदान की चुप्पी में भी दिखाई देगा। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सबक शायद यही है कि भारत की नई राजनीति का केंद्र अब जाति और धर्म के साथ-साथ युवा आकांक्षाएं भी बन चुकी हैं। यह पीढ़ी भाषणों से अधिक अवसर चाहती है, नारों से अधिक निष्पक्षता और आश्वासनों से अधिक विश्वसनीय संस्थाएं। जो राजनीति इस बदलाव को नहीं समझेगी, वह धीरे-धीरे अपनी जमीन खोती जाएगी। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा एक व्यक्ति का राजनीतिक अवसान नहीं है।

# योग के सभी सूत्र जीवन की आधारशिला

संकलित

दर्शन

योग प्राचीन काल से भारतीय आध्यात्मिक संचेतना का केंद्र रहा है। इसके आदिम सूत्रधार परमयोगी भगवान शिव हैं। योग शब्द का प्रयोग विभिन्न अर्थों में होता रहा है। समाधि अर्थ में इसका प्रयोग आत्मा और परमात्मा के मिलन के लिए किया जाता है, जब साधक अपनी साधना की चरमावस्था में परमात्मा से एकाकार होकर उसका साक्षात्कार कर लेता है। अग्निपुराण में भी मन एवं आत्मा तथा आत्मा और परमात्मा के संयोग को योग कहा गया। सांख्यदर्शन के अनुसार प्रकृति और पुरुष का भेद होने पर भी पुरुष का आत्मस्वरूप में स्थित हो जाना योग कहलाता है। कठोपनिषद् के अनुसार, जब इंद्रियां मन के साथ और मन अविचल बुद्धि के साथ स्थिर हो जाता है तो यह अवस्था योग की होती है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने 'योगः कर्मसु कौशलम्' कहकर योग का जो स्वरूप अजरुन के समक्ष प्रस्तुत किया है वह सामान्य जन के सर्वाधिक निकट है। कोई भी मनुष्य एकाग्रचित्त होकर निष्काम भाव से कर्म करते हुए योग को सिद्ध कर सकता है। योगसूत्र के प्रणेता महर्षि पतंजलि संयमन अर्थ में चित्तवृत्तियों के निरोध को योग कहते हैं। उनके अनुसार यम, नियम, आसन, ध्यान, धारणा आदि आठ अंगों से संपन्न प्राणायाम की विविध क्रियाएं योग कहलाती हैं। इससे चित्त की एकाग्रता बढ़ती है। बुद्धि में स्थिरता आती है। चिंतन उत्कृष्ट होता है। मन में सद्विचारों का उदय होता है। नकारात्मक प्रवृत्तियां स्वतः समाप्त हो जाती हैं। परिणामतः आत्मिक और शारीरिक शक्तियों में वृद्धि होती है।

# अहंकार ही व्यक्ति की समस्याओं का कारण

संकलित

प्रेरणा

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया तो इस बात का घमंड हो गया। इसके बाद नारद जी जहां जाते, वहां अपनी तारीफ करने लगते। ऐसे ही एक दिन वे शिव जी के पास पहुंच गए। नारद जी ने शिव जी के सामने अपनी प्रशंसा करना शुरू कर दी। शिव जी नारद मुनि की बातें सुनकर समझ गए कि इन्हें अहंकार हो गया है। शिव जी से विदा लेकर नारद मुनि विष्णु जी के पास पहुंच गए और विष्णु जी के सामने अपनी तारीफ करनी शुरू कर दी। विष्णु जी के सामने नारद मुनि ने अहंकार दिखाया तो विष्णु जी ने तय किया कि नारद जी भक्त हैं और इनका घमंड करना सही नहीं है। इसके बाद विष्णु जी ने अपनी माया रची। नारद मुनि विष्णु जी के यहां लौट रहे थे तो उन्हें रास्ते में एक सुंदर राज्य दिखा। वे उस राज्य में पहुंचे तो वहां देखा कि एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा है। राजकुमारी बहुत सुंदर थी। उसे देखकर नारद ही मोहित हो गए और तुरंत ही विष्णु जी के पास पहुंच गए। नारद मुनि ने विष्णु जी से कहा कि आप मुझे सुंदर रूप दे दीजिए। ताकि मैं उस स्वयंवर राजकुमारी से विवाह कर सकूं। इसके बाद नारद मुनि उस स्वयंवर में पहुंच गए। विष्णु जी ने नारद मुनि को बंदर का मुख दे दिया था। स्वयंवर में नारद पहुंचे तो वहां बंदर जैसे मुख की वजह से उनका बहुत अपमान हुआ। गुस्से में नारद मुनि ने विष्णु जी को शाप दे दिया, लेकिन जब उनका मन शांत हुआ तो उन्हें पूरी बात समझ आ गई। जब नारद का घमंड टूटा तो उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी।

## अंतर्मन

## आज की पाती

### आयकर के प्रति गंभीरता जरूरी

24 जुलाई को आयकर दिवस मनाया गया। वर्ष 1860 को सर जेम्स विल्सन ने कर व्यवस्था को शुरू किया था। आयकर दिवस मनाने का मुख्य कारण करदाताओं का देश के विकास में जो महत्वपूर्ण योगदान है, उसके लिए इन्हें सम्मान देना और लोगों को आयकर के प्रति जागरूक करना भी है। जितने भी करदाता हैं, चाहे वो बिजनेसमैन हों, छोटे-बड़े उद्योगपति हों, दुकानदार या अन्य कोई भी, इन सभी का देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। सरकारें आमजन को जितनी भी मुफ्त की सुविधाएं देती हैं वो भी इन्हीं करदाताओं की बदौलत हैं। देश की आर्थिक व्यवस्था को सुधारने में टैक्स प्रणाली का बहुत बड़ा योगदान होता है। कर देने वालों का सम्मान जरूरी है, ताकि देश में विकास कार्य न रुकें।

- सुनील गुप्ता, रोहतक

## ट्रेंड

### अनाहत सिंह पर गर्व

2026 वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि। गोल्ड मेडल जीतने और वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी बनने पर अनाहत सिंह पर गर्व है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

### निष्पक्षता की मांग

दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध कर रहे छात्रों पर पैलेट गन, लाठी और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। मैं 19 साल के साहिल लोचब से मिला। पैलेट लगने से उनकी एक आंख जा सकती है। उनका "गुनाह" क्या था? पेपर लीक को खत्म करने और भविष्य के लिए निष्पक्षता की मांग करना।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

### राष्ट्र हित सर्वोपरि

भारतीय सेना की अद्वितीय वीरता, अटूट संकल्प और सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र को सदा गौरवान्वित करता रहेगा। हमारे नायकों का साहस, अनुशासन और मातृभूमि के प्रति समर्पण हम सभी को राष्ट्र हितों को सर्वोपरि रखने के लिए सदा प्रेरित करता रहेगा।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

### सीआईडी की विश्वसनीयता

शराब घोटाले, जेएसएससी और ट्रेजरी घोटाले की जांच में सीआईडी के कामकाज को लेकर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। अब जेपीएससी मामले में भी वैसी ही आशंकाएं सामने आ रही हैं। जनता के बीच सीआईडी की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो चुकी है।

- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

## करंट अफेयर

### भारत एनआईडी को वैध यात्रा दस्तावेज की मान्यता दे

नेपाल ने भारत की यात्रा पर आने वाले नेपाली नागरिकों के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) को वैध यात्रा दस्तावेज के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। इस कदम के लागू होने पर नागरिकता प्रमाणपत्र और पासपोर्ट के साथ-साथ राष्ट्रीय पहचान पत्र का भी यात्रा दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। आव्रजन विभाग के प्रवक्ता टीका राम ढकाल ने बताया कि विभाग ने राजनयिक माध्यमों से यह प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा है और भारत की यात्रा के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र को मान्यता देने का अनुरोध किया है।

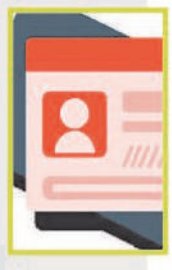

## ऑफ बीट

### रेन कोट की पानी से बचाव की क्षमता घटने के कारण

तेज बारिश में बाहर निकलने के कुछ ही समय बाद यदि रेन कोट के अंदर कपड़े भीगने लगें, तो अक्सर लगता है कि 'वाटरप्रूफ' कोट ने काम करना बंद कर दिया। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि आमतौर पर रेन कोट अचानक खराब नहीं होता, बल्कि उसकी बाहरी परत, गंदगी और लंबे उपयोग का असर धीरे-धीरे उसकी क्षमता कम करता है। अधिकतर गुणवत्तापूर्ण रेन कोट के भीतर एक विशेष वाटरप्रूफ मेम्ब्रेन लगी होती है। गोर-टेक्स जैसी तकनीक में पीटीएफई या ईपीटीएफई की अत्यंत पतली परत होती है, जिसमें सूक्ष्म छिद्र बने होते हैं। ये छिद्र पानी की बूंदों को भीतर आने से रोकते हैं,

## संक्षेप

### महिला उत्पीड़न के 20 मामलों की सुनवाई

**सदस्य प्रियंका मौर्या ने अधिकारियों को लगाई फटकार**

अमेठी ,उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रियंका मौर्या एक दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचीं। उन्होंने तहसील सभागार गौरीगंज में महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की जनसुनवाई की।दोपहर एक बजे शुरू हुई जनसुनवाई दोपहर ढाई बजे (2:30) तक चली। जनसुनवाई के दौरान जमीनी विवाद, घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न जैसे कई मामले सामने आए। मौर्या ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। आयोग की सदस्य ने कुछऐसे मामलों को दोबारा सामने आने पर अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की, जिनका पिछली जनसुनवाई में निस्तारण का निर्देश दिया गया था। उन्होंने इसे स्थानीय स्तर पर लापरवाही का संकेत बताया। पत्रकारों से बातचीत में प्रियंका मौर्या ने बताया कि जनसुनवाई में 18 से 20 प्रकरण आए हैं, जिनमें घरेलू हिंसा, जमीनी विवाद और अपहरण के कुछ मामले शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दोबारा आए मामलों से स्पष्ट है कि लोगों की परेशानियां कम नहीं हो रही हैं और जनसुनवाई ठीक से नहीं हो पाई है। उन्होंने जोर दिया कि महिलाओं की समस्याओं का उचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा और सरकारी योजनाएं उन तक पहुंचाई जाएंगी।

### शिव शक्ति हॉस्पिटल का लाइसेंस निलंबित

**अमेठी में युवक की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने की कार्रवाई**

अमेठी ,कमरौली स्थित शिव शक्ति अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। एक सप्ताह पहले अस्पताल में इलाज के दौरान एक युवक की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने यह कार्रवाई की है। तीन सदस्यीय जांच में अस्पताल की लापरवाही की पुष्टि हुई थी। दरअसल, 21 जुलाई को अशरफपुर चिलौली गांव निवासी नंदकुमार ओझा) को प्लेटलेट्स की कमी के कारण शिव शक्ति अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

# विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर मेडिकल कॉलेज बहराइच में जागरूकता कार्यक्रम

## समय पर जांच और उपचार का दिया गया संदेश

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। महाराजा सुहेलदेव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं महर्षि बालार्क चिकित्सालय, बहराइच में विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यशाला, पोस्टर प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें एमबीबीएस के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए हेपेटाइटिस के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. (प्रो.) संजय खत्री ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाने का उद्देश्य वायरल हेपेटाइटिस (लीवर की सूजन) के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, समय पर जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करना तथा इस बीमारी के उन्मूलन की दिशा में सामूहिक प्रयासों को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 के विश्व हेपेटाइटिस दिवस जिसका उद्देश्य हेपेटाइटिस से जुड़े भ्रम, कलंक और जानकारी के अभाव को दूर करते हुए प्रत्येक व्यक्ति तक जांच, उपचार और बचाव का संदेश पहुंचाना है। माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. शरीक वदूद एवं नोडल अधिकारी डॉ. उपेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि चिकित्सालय में प्रतिमाह लगभग 6,000 लोगों की हेपेटाइटिस स्क्रीनिंग की जाती है तथा वर्तमान में करीब 150 मरीजों का नियमित उपचार संचालित है। उन्होंने कहा कि हेपेटाइटिस से संक्रमित मरीजों को निशुल्क दवाएं एवं आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। समय पर पहचान और नियमित उपचार के परिणामस्वरूप अब तक लगभग 30 प्रतिशत मरीजों का सफलतापूर्वक उपचार किया जा चुका है। कार्यक्रम में उप-प्रधानाचार्य डॉ. शहनवाज मलिक, सह-आचार्य डॉ. इस्मत रिहाना, डॉ. आबिद, डॉ. गीता, डॉ. राम कुमार, डॉ. ईशान प्रसाद, डॉ. अंशुल, डॉ. राजेंद्र शुक्ला, डॉ. राधेश्याम तथा डॉ. जे.पी. मौर्य सहित माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अन्य संकाय सदस्य, नर्सिंग अधीक्षिका, चिकित्सालय के कर्मचारी एवं एमबीबीएस के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने हेपेटाइटिस की रोकथाम, समय पर जांच, सुरक्षित जीवनशैली अपनाने तथा समाज में इस बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

# जुआ अधिनियम के तहत दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना रुपईडीहा पुलिस को जुआ अधिनियम के अंतर्गत बड़ी सफलता मिली है। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी नानपारा चित्रांशु गौतम के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई 2026 को थाना रुपईडीहा क्षेत्र के शिवपुर मोहरनिया चौकी अंतर्गत ग्राम रंजीत बोझा स्थित प्राइमरी स्कूल के पास बाग में जुआ खेल रहे दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सकील अहमद (57 वर्ष) पुत्र रफीक अहमद तथा सुल्तान अहमद (32 वर्ष) पुत्र जलील अहमद, दोनों निवासी ग्राम रंजीत बोझा, थाना रुपईडीहा, जनपद बहराइच के रूप में हुई। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 52 ताश के पत्ते, 1200 रुपये की माल फड़ राशि तथा जामा तलाशी के दौरान 400 रुपये नेपाली मुद्रा बरामद की। इस संबंध में थाना रुपईडीहा में मु0अ0सं0 197/2026, धारा 13 जुआ अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तारी की कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक अजय कुमार (चौकी प्रभारी शिवपुर मोहरनिया), हेड कांस्टेबल उमेश यादव एवं कांस्टेबल मोहम्मद तनवीर द्वारा संपन्न की गई।

# मित्र राष्ट्र नेपाल के जिला दांग में 35 किलो चरस के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, साथी युवक फरार

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल के दांग जिले में पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान 35 किलोग्राम चरस के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जबकि उसका एक साथी पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। नेपाल पुलिस के अनुसार, दांग जिले की गढ़वा गांवपालिका वार्ड नं0 1 जुरौनी स्थित पूर्व-पश्चिम राजमार्ग पर नियमित वाहन जांच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 35 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ चरस बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हिक्मत पुन (26 वर्ष), निवासी भुमे गांवपालिका-2, पूर्वी रुकुम जिला के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान आरोपी के साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति मौके से फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार तलाश की जा रही है। बरामद चरस और गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर इलाका प्रहरी कार्यालय, गढ़वा (दांग) में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में मादक पदार्थ तस्करी के विभिन्न पहलुओं को लेकर गहन जांच की जा रही है।

# बहराइच के बीएसए आशीष सिंह बने TSCT परिवार के सदस्य

## शिक्षकों के सेवा अभियान को मिली नई मजबूती

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। शिक्षकों के हित, सहयोग और सम्मान के लिए कार्यरत देश की अग्रणी सामाजिक संस्था टीएससीटी (टीचर सेल्फ केयर टीम) के छठे स्थापना दिवस के अवसर पर बहराइच के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष सिंह ने टीएससीटी परिवार की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान उन्होंने संस्था के सेवा एवं सहयोग आधारित कार्यों की सराहना करते हुए इसे शिक्षकों के लिए प्रेरणादायी पहल बताया।संस्था के संस्थापक एवं संयोजक विवेकानंद की प्रेरणा से पीईएस संवर्ग के अधिकारियों को टीएससीटी परिवार से जोड़ने के अभियान के तहत जिला संयोजक पंकज प्रकाश मिश्र के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का विधिवत पंजीकरण कराया गया। उन्होंने स्वयं वार्षिक व्यवस्था शुल्क जमा किया तथा टीएससीटी की वैचारिक पत्रिका ₹विचार क्रांति₹ भी प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान टीएससीटी द्वारा दिवंगत शिक्षकों के परिवारों को समय पर उपलब्ध कराई जा रही आर्थिक सहायता एवं सेवा कार्यों की जानकारी दी गई। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में पात्र शिक्षक परिवारों को ?50 लाख से अधिक तक की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। देशभर में संस्था से लगभग 4.60 लाख सदस्य जुड़े हैं, जो इसे शिक्षकों के सबसे बड़े सहयोगी संगठनों में शामिल करते हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष सिंह ने कहा कि टीएससीटी केवल आर्थिक सहयोग का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षकों के बीच आपसी विश्वास, आत्मीयता और सामाजिक उत्तरदायित्व को मजबूत करने वाला एक सशक्त मंच है। उन्होंने संस्था के सेवा अभियान की निरंतर सफलता की कामना की। इस अवसर पर जिला सह संयोजक सुभाष चंद वर्मा, प्रकाशिनी मिश्रा, पयागपुर संयोजक अभिकेश त्रिपाठी, महसी संयोजक प्रदीप पाण्डेय, प्रवक्ता शैलेन्द्र मिश्र, अजय श्रीवास्तव, ब्लॉक सहसंयोजक आशीष कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं टीएससीटी पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने टीएससीटी के मूल मंत्र ₹शिक्षक हित, शिक्षक सहयोग और शिक्षक सम्मान₹ को प्रत्येक शिक्षक तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

# 5 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ युवक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। थाना रुपईडीहा पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि मंगलवार की शाम थाना रुपईडीहा की चिकनिया चौकी क्षेत्र अंतर्गत खान पुलिया के पास ग्राम बालापुर-अड़गोड़वा में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस टीम ने उदयराज पुत्र कामता प्रसाद, निवासी ग्राम परागपुरवा अड़गोड़वा, थाना रुपईडीहा, जनपद बहराइच को एक जरीकेन में 5 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। बरामद अवैध कच्ची शराब के आधार पर आरोपी के विरुद्ध थाना रुपईडीहा में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

# नाबालिग किशोरी बरामद, अपहरण के आरोपी को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार / मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। रुपईडीहा पुलिस ने नाबालिग किशोरी के अपहरण के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया है तथा आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक रुपईडीहा हरेन्द्र कुमार मिश्र के अनुसार, 24 जुलाई को थाना रुपईडीहा में एक व्यक्ति ने अपनी लगभग 15 वर्षीय नाबालिग बहन को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस संबंध में थाना रुपईडीहा पर सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस टीम गठित की गई और पीड़िता की तलाश शुरू की गई। लगातार की गई तलाश और मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने 28 जुलाई की रात लगभग 11:30 बजे आईसीपी के समीप स्थित खुशलीपुरवा गांव से पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया। मौके से आरोपी इब्रान खान 19 वर्ष पुत्र अब्बास खान निवासी रामपुर हुसैनबक्श, नरैनापुर लक्ष्मनपुर गुलालडीह, थाना रुपईडीहा, जनपद बहराइच को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ और विवेचना के आधार पर मुकदमे में धारा बीएनएस तथा पॉक्सो एक्ट की धारा की बढ़ोतरी की गई। आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया गया, जबकि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई कराई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक सैमसंग डुओस मोबाइल फोन तथा दो आधार कार्ड भी बरामद किए हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक राहुल सरोज, मुख्य आरक्षी राकेश यादव तथा महिला आरक्षी मान्यता त्रिवेदी शामिल रहीं।

# सीएचसी चरदा के डॉक्टर पर परिजनों ने घायलों के उपचार में लापरवाही का लगाया आरोप

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल दो युवकों के परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चरदा में समय पर उपचार न मिलने का आरोप लगाया है। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल पहुंचने पर इमरजेंसी वार्ड में न तो डॉक्टर मौजूद थे और न ही कोई वार्ड बॉय अथवा अन्य स्वास्थ्यकर्मी, जिससे गंभीर रूप से घायल मरीजों का उपचार काफी देर तक शुरू नहीं हो सका। परिजनों के अनुसार, दुर्घटना में घायल बुद्धि यादव पुत्र गिरधारी लाल निवासी ग्राम पंडित पुरवा तथा शिवम सोनकर पुत्र बालकराम निवासी ग्राम मोहनापुर को एंबुलेंस से रात लगभग 9:10 बजे सीएचसी चरदा लाया गया। परिजनों का आरोप है कि इमरजेंसी वार्ड में कोई चिकित्सक मौजूद नहीं मिला। काफी खोजबीन के बाद लगभग 45 मिनट बाद डॉक्टर अस्पताल पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर के पहुंचने के बाद भी उन्होंने तत्काल मरीजों का उपचार शुरू नहीं किया। विरोध करने पर कथित रूप से डॉक्टर ने कहा कि मरीज को इमरजेंसी वार्ड में तभी वह देखेंगे। परिजनों का यह भी आरोप है कि डॉक्टर ने यह कहा कि उन्हें कभी दिन में चरदा तो कभी रात में महिंपुरवा की ड्यूटी करनी पड़ती है, जिससे दोनों स्थानों पर व्यवस्था संभालना कठिन हो जाता है। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश व्याप्त हो गया। उनका कहना है कि सरकारी अस्पतालों में समय पर चिकित्सकीय सुविधा न मिलने के कारण गरीब मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से मामले की जांच कर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा सीएचसी चरदा में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है।

# मटेरा विधायक मारिया शाह का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। मटेरा विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक मारिया शाह का जन्मदिन क्षेत्रवासियों, समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। जन्मदिन समारोह में उपस्थित लोगों ने विधायक मारिया शाह जी के जनसेवा, विकास कार्यों एवं क्षेत्र के प्रति उनके समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सदैव जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास किया है। उनके नेतृत्व में क्षेत्र के विकास को नई गति मिली है, जिसके कारण वे जनता के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हैं। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उनके उज्ज्वल एवं सफल राजनीतिक जीवन की कामना करते हुए कहा कि वे आगे भी इसी प्रकार जनसेवा के कार्यों में निरंतर अग्रणी भूमिका निभाती रहें।

# गुरु पूर्णिमा पर ब्लॉक प्रमुख नवाबगंज ने किया गुरु पूजन एवं वृक्षारोपण

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मां राजेश्वरी देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कलवारी में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ गुरु पूजन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकप्रिय ब्लॉक प्रमुख नवाबगंज श्री जयप्रकाश सिंह रहे। जयप्रकाश सिंह ने गुरु की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु ही जीवन को सही दिशा देने वाले सच्चे पथप्रदर्शक होते हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर बल देते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान कियाकार्यक्रम में गुरु पूजन के उपरांत विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण एवं समाजहित में निरंतर वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि गुरु पूर्णिमा का पर्व भारतीय संस्कृति में गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्य, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# श्रमिक छात्राओं को जागरूक कर दिया बाघ संरक्षण का संदेश

### फ्रेंड्स आफ कतर्नियाघाट द्वारा आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर फ्रेंड्स आफ कतर्नियाघाट की ओर से विहान बालिका आवसीय विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर बाघ संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में फ्रेंड्स आफ कतर्नियाघाट के मुखिया बीडी लखमानी ने छात्राओं को बताया कि बाघ हमारे देश का राष्ट्रीय पशु है, बाघ से वनों की सुरक्षा होती है और वनों से हमें अनेक प्रकार के लाभ मिलते हैं, बाघ जंगल की खाद श्रृंखला का प्रमुख जीव है बाघ शाकाहारी वन्य जीवों को खाकर उनकी संख्या को नियंत्रित रखते हैं जिससे किसानों की फसल का नुकसान नहीं होता, बाघ जंगल में ही रहना पसंद करते हैं बाघ जंगल के निकटवर्ती गाँवो में नहीं घुसते और जंगल में ही रहना पसंद करते हैं, बाघ का संरक्षण केवल सरकार और वन विभाग का काम नहीं, बाघ के संरक्षण में हम सभी को सहयोग करना चाहिए । इस अवसर पर स्कूल अधिक्षिका प्रगति सिंह, शिक्षक आशुतोष दत्त, धर्मेन्द्र वर्मा, शिक्षिकाओं में प्रियंका श्रीवास्तव, सलोनी पाठक, आकांक्षा पांडे, भूरत्न प्रभा, प्रियंका सिंह मौजूद रहे।

# मानसिक रूप से परेशान युवक ने आम के पेड़ पर फांसी लगाकर दी जान, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। थाना रूपईडीहा क्षेत्र के ग्राम निधिनगर पोखरा में बुधवार को एक 28 वर्षीय युवक ने आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। घटना से गांव में शोक का माहौल है। थाना प्रभारी रूपईडीहा हरेंद्र कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक की पहचान खेलावन (28) पुत्र सुब्बा, निवासी ग्राम निधिनगर पोखरा, थाना रूपईडीहा, जनपद बहराइच के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि खेलावन पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। बुधवार को उसने गांव के बाहर एक आम के पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलने पर थाना रूपईडीहा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पेड़ से उतरवाया और पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया। थाना प्रभारी रूपईडीहा हरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। परिजनों के अनुसार युवक मानसिक रूप से परेशान था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी।

# रमेश कुमार मिश्रा बने प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन बहराइच के जिला अध्यक्ष

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन में संगठनात्मक फेरबदल के तहत रमेश कुमार मिश्रा को बहराइच जनपद का नया जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन गोंडा मंडल प्रभारी एवं राष्ट्रीय सचिव डॉ. कल्प राम त्रिपाठी की संस्तुति पर किया गया।पत्रकार रमेश कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 जुलाई को अयोध्या में आयोजित गोंडा मंडल सम्मेलन में संगठन ने मुझे बहराइच का नया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है।

रमेश कुमार मिश्रा के जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर संगठन के राष्ट्रीय सचिव शेर सिंह कसौधन, प्रदेश सचिव राजेश जायसवाल, सहानुभूति समाचार पत्र की जिला संवाददाता मंजू चौधरी (एडवोकेट), वरिष्ठ पत्रकार संतोष मिश्रा सहित संगठन के अनेक पदाधिकारियों एवं पत्रकारों ने उन्हें बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रमेश मिश्रा के नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेगा।

# संक्षेप

## बड़ौत में 50 साल पुराना मकान अवैध बताकर गिराया

### पीड़ित ने डीएम से निष्पक्ष जांच और पुनर्निर्माण की मांग की

बागपत ,जनपद के बड़ौत तहसील क्षेत्र के ग्राम खपराना निवासी एक व्यक्ति ने अपने लगभग 50 साल पुराने मकान को अवैध बताकर गिराए जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने इस संबंध में डीएम कार्यालय में न्याय की गुहार लगाई है। उसने डीएम को एक शिकायती पत्र सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और मकान का दोबारा निर्माण कराए जाने की मांग की है। शिकायती पत्र के अनुसार, यह मकान गांव के बसावा मार्ग पर स्थित है। इसकी चौड़ाई लगभग 20 फीट और लंबाई 23 फीट है, जिसमें चार कमरे और आगे एक बरामदा बना हुआ था। पीड़ित का कहना है कि यह मकान करीब 50 वर्ष पुराना है और उसका परिवार लंबे समय से इसी में रह रहा था। हाल ही में हुई बरसात के दौरान मकान के दो कमरे क्षतिग्रस्त हो गए थे। पीड़ित केवल उनकी मरम्मत करा रहा था। इसी दौरान राजस्व विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और मरम्मत का कार्य रुकवा दिया। कर्मचारियों ने इसे नया निर्माण बताते हुए आपत्ति जताई, जबकि पीड़ित का दावा है कि वह केवल पुराने मकान की मरम्मत कर रहा था शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ दिनों बाद राजस्व कर्मी जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने मकान का एक हिस्सा गिरा दिया और पूरे निर्माण को अवैध करार दिया। पीड़ित का कहना है कि इस कार्रवाई से उसके परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है और उनके सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। उसने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए, दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय हो और उसके पुराने मकान का पुनर्निर्माण कराया जाए। डीएम ऑफिस के अधिकारियो ने जांच कर करावाई का आश्वासन दिया।

## लापता पत्नी-बेटे की तलाश को एसपी से गुहार

### रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

बागपत ,एक व्यक्ति ने अपनी लापता पत्नी और छोटे बेटे की बरामदगी के लिए पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित का आरोप है कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद अब तक पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। जानकारी के अनुसार, बागपत तहसील क्षेत्र के ग्राम सूरजपुर महनवा निवासी नवीन पुत्र राजेंद्र का विवाह करीब 13 वर्ष पहले पूजा नामक महिला से हुआ था। उनके दो बेटे हैं, जिनकी उम्र लगभग 13 वर्ष और 7 वर्ष है। नवीन ने बताया कि 22 जुलाई 2026 को उसकी पत्नी छोटे बेटे को साथ लेकर बिना बताए घर से चली गई। उस समय नवीन घर पर नहीं था। घर लौटने पर परिजनों से जानकारी मिली कि पत्नी घर पर नहीं है। इसके बाद नवीन ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां काफी तलाश की, लेकिन पत्नी और बेटे का कोई पता नहीं चल सका। पीड़ित का कहना है कि पत्नी का मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। नवीन ने इस संबंध में थाना कोतवाली बागपत में सूचना दी थी और 23 जुलाई 2026 को गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी।नवीन का आरोप है कि रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद अब तक उसकी पत्नी और बेटे का कोई सुराग नहीं लग सका है, जिससे परिवार बेहद परेशान है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले में शीघ्र कार्रवाई करते हुए उसकी पत्नी और बेटे की सकुशल बरामदगी सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं, इस संबंध में पुलिस का कहना है।

# हंगामा के बाद छात्रा नहीं पहुंची अपने घर परिजन परेशान

## परिजनों ने थाने में दी तहरीर विद्यालय में अधिकारियों का आवागमन जारी

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर , जनपद के सर्वोदय इंटर कॉलेज किशनपुर में विगत दिवस बच्चों ने धरना प्रदर्शन करते हुए जमकर हंगामा काटा जहां सूचना पाकर पहुंची पुलिस प्रशासन तथा जिला विद्यालय निरीक्षक ने बच्चों की शर्तें स्वीकार करते हुए धरना प्रदर्शन समाप्त कराया वही धरना प्रदर्शन में मौजूद विद्यालय की 16 वर्षीय छात्रा देर शाम होने तक घर वापस नहीं पहुंची काफी समय होने के पश्चात परिजनों ने खोजबीन प्रारंभ की लेकिन देर रात तक कोई जानकारी नहीं मिली आसपास अथक प्रयास करते हुए हताश होकर परिजन थाना किशनपुर पहुंचे जहां बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई छात्रा की मां ने बताया कि नाबालिक बेटी किशनपुर के सर्वोदय इंटर कॉलेज में शिक्षा ग्रहण करती है विगत दिवस मंगलवार सुबह प्रतिदिन की भांति वह विद्यालय गई तथा देर शाम होने तक घर वापस नहीं लौटी काफी खोजबीन की गई परंतु छात्रा का कोई पता नहीं चला इस बारे में थाना प्रभारी किशनपुर मनीष सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि लिखित तहरीर प्राप्त होने के पश्चात गुमशुदगी दर्ज की गई है वहीं छात्रा की खोजबीन जारी है वही धरना प्रदर्शन के दूसरे दिन पुनः जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार उप जिलाधिकारी खागा अश्वनी पाण्डेय पुलिस क्षेत्राधिकारी रवि सिंह एआरपी प्रदीप शुक्ला आदि अधिकारी गण विद्यालय पहुंचे तथा विद्यालय में प्रारंभ हुए कार्य का निरीक्षण किया विद्यालय में पेयजल व्यवस्था में सुधार साफ सफाई तथा तार वायरिंग करते हुए कर्मचारी सभी कक्षाओं में नवीन पंखे लगाते मिले वहीं अधिकारियों ने मध्यान्ह भोजन का भी निरीक्षण किया तथा बच्चों द्वारा लगाए गए अंक पत्र में अतिरिक्त शुल्क को लेकर अधिकारियों ने विद्यालय के प्रबंधक तथा प्रधानाचार्य के ऊपर नाराजगी जताई

# गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष में विद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

### गुरु शिष्य की परंपरा का विद्यालय में हुआ धूमधाम से निर्वहन

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर , जनपद के मलवां विकासखंड शिक्षा क्षेत्र अंतर्गत पीएमसी प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर में गुरु पूर्णिमा पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विद्यालय की प्रधानाध्यापिका वैष्णो कीर्ति शुक्ला की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम अंतर्गत विद्यालय की एसएमसी अध्यक्ष मिथिलेश द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई कार्यक्रम में सर्वप्रथम बच्चों ने मां सरस्वती वंदना तथा गुरु शिष्य की परंपरा का वैदिक विधि से निर्वहन किया वहीं विद्यालय परिसर में बच्चों की कविता पाठ भाषण प्रतियोगिता कराई गई विद्यालय के 90 फीसदी बच्चों को प्रधानाध्यापिका द्वारा पूरे गणवेश में स्माइली बैच द्वारा अलंकृत किया गया इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक जैसे रविंद्र अमरेंद्र महजबीन तथा रसोईया आदि अभिभावकगण मौजूद रहे

# गाली गलौज का विरोध करने पर महिला समेत युवक को जमकर पीटा

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर। जनपद के जहानाबाद थाना कस्बे के मोहल्ला रज्यौडा में अभद्र भाषा तथा गाली गलौज का विरोध करने पर दबंग लोगों ने एक महिला तथा युवक पर लाठी डंडे से जमकर प्रहार किया वहीं पीड़िता रज्यौडा मोहल्ला निवासी महिला आसमां ने थाने में लिखित तहरीर देते हुए बताया कि विगत दिवस मंगलवार शाम समय वह अपने घर के बाहर थी जहां मोहल्ले के ही दो व्यक्ति चांदबाबू तथा भरोसा वहां से निकले तथा गाली गलौज करने लगे महिला ने इसका विरोध किया जहां विरोध करने पर दोनों व्यक्तियों ने और जमकर गाली गलौज की तथा जान से मार देने की धमकी देने लगे शोर गुल सुनकर घर में मौजूद महिला का रिश्तेदार एक युवक तौहीद भी बीचबचाव के लिए बीच में पहुंच गया जहां उपर्युक्त दोनों आरोपियों ने महिला आसमां तथा तौहीद पर जमकर लाठी डंडे बरसाए जिसमें दोनों को गंभीर चोट पहुंची मामले की जानकारी लेने पर थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित महिला द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है वही जांचोंपरांत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी

# भाजपा की रैली के पश्चात युवक नहीं पहुंचा घर परिजन बेहाल

### 5 दिन बीत जाने के बाद भी नहीं चला पता गुमशुदगी दर्ज

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद में विगत दिवस में होने वाली भाजपा की जनसभा कार्यक्रम अंतर्गत पहुंचे एक युवक की खोजबीन करते हुए हताश परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई मिली जानकारी के अनुसार जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत भरसा गांव निवासी 30 वर्षीय अजय उर्फ छोट्टन पुत्र बाबू सिंह विगत 25 जुलाई को जनपद में होने वाले भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री कार्यक्रम में सम्मिलित होने गया था अजय के साथ लगभग पांच अन्य लोग और भी गए थे परंतु कार्यक्रम समाप्त होने के पश्चात सभी लोग अपने-अपने घर वापस हो गए युवक अजय घर नहीं पहुंचा देर शाम होने पर पिता बाबू सिंह ने पूछताछ तथा खोजबीन प्रारंभ की परंतु कुछ पता नहीं चला वहीं निरंतर खोजबीन करते हुए 5 दिनों तक नजदीकी रिश्तेदारी तथा अन्य प्रमुख स्थानों पर खोजबीन की लेकिन परिजनों को निराशा ही हाथ लगी जिससे आहत होकर पिता बाबू सिंह ने नजदीकी थाना चांदपुर में विस्तृत जानकारी देते हुए गुमशुदगी दर्ज कराई पीड़ित पिता ने बताया कि युवक गेहुंआ गोरा रंग शरीर में सफेद कमीज काला पेंट तथा पैर में हवाई चप्पल पहने हुए हैं थाना प्रभारी वृंदावन राय ने तहरीर स्वीकृत करते हुए गुमशुदगी दर्ज पर खोजबीन प्रारंभ की

# पानी की टंकियां बनीं हादसों का खतरा

## रील बनाने के लिए चढ़ रहे स्कूली बच्चे, छात्र नेता ने आवास विकास विभाग पर उठाए सवाल

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, शहर की ऊंची पानी की टंकियों पर बच्चों और युवाओं के चढ़कर वीडियो बनाने की घटनाओं के बीच चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के छात्र नेता विनीत चपराना ने आवास विकास विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर की कई पानी की टंकियों पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह नदारद है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। विनीत चपराना ने कहा कि हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें बच्चे और युवक बिना किसी रोक-टोक के पानी की ऊंची टंकियों पर चढ़ते दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग ने सुरक्षा के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया है। उनका कहना है कि टंकियों पर न तो सुरक्षा गार्ड तैनात हैं, न ही बैरिकेडिंग की गई है और न ही निगरानी की कोई व्यवस्था है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी बच्चे या युवक की टंकी से गिरने के कारण मौत होती है या कोई गंभीर दुर्घटना होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी आवास विकास विभाग की होगी। उन्होंने कहा कि विभाग की लापरवाही लोगों की जान पर भारी पड़ सकती है। छात्र नेता ने प्रशासन से मांग की कि शहर की सभी पानी की टंकियों पर तत्काल सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएं, चारों ओर मजबूत बैरिकेडिंग कर लोगों की पहुंच रोकी जाए और नियमित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय प्रशासन को पहले ही आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

# नए सिटी मजिस्ट्रेट बने पंकज दीक्षित

### नवीन कुमार श्रीवास्तव को मुरादाबाद मंडल का अपर आयुक्त बनाया गया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल हुआ है। शासन ने 41 वरिष्ठ पीसीएस अधिकारियों के तबादले करते हुए पंकज दीक्षित को मेरठ का नया सिटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। वह इससे पहले आजमगढ़ में एसडीएम के पद पर तैनात थे। वहीं, निवर्तमान सिटी मजिस्ट्रेट नवीन कुमार श्रीवास्तव को मुरादाबाद मंडल का अपर आयुक्त बनाया गया है। आजमगढ़ से मेरठ भेजे गए पंकज दीक्षित देर रात जारी तबादला सूची में पंकज दीक्षित को मेरठ की जिम्मेदारी सौंपी गई। इससे पहले वह आजमगढ़ में उप जिलाधिकारी (एसडीएम) के रूप में कार्यरत थे। विभिन्न जिलों में प्रशासनिक अनुभव के चलते उन्हें मेरठ जैसे महत्वपूर्ण जिले की जिम्मेदारी दी गई है। नवीन कुमार श्रीवास्तव को नई जिम्मेदारी मेरठ के सिटी मजिस्ट्रेट रहे नवीन कुमार श्रीवास्तव का तबादला मुरादाबाद मंडल में अपर आयुक्त पद पर किया गया है। शासन के आदेश के बाद दोनों अधिकारियों की नई तैनाती प्रभावी हो गई है। प्रशासनिक कार्यों में तेजी की उम्मीद पंकज दीक्षित के कार्यभार संभालने के बाद शहर में कानून-व्यवस्था, राजस्व मामलों और प्रशासनिक कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। शासन के इस तबादले को नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है।

# नौकरानी ने 5 सेकेंड में चुराया आईफोन, सीसीटीवी

## गाजियाबाद में बच्चा संभालने के लिए रखा था, पहले दिन ही की चोरी

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद,नौकरानी ने घर में रखा आई-फोन चोरी कर लिया। महज 5 सेकेंड में उसने टेबल से आईफोन उठाया और अपने कपड़ों में छिपा लिया। मालिक ने पूछा तो कहा कि मुझे कुछ नहीं पता। फिर मालिक पर ही भड़क गई। फिर वहां से चली गई। मालिक ने घर में काफी ढूंढा, लेकिन फोन नहीं मिला। बाद में उन्होंने सीसीटीवी चेक किए। इसमें नौकरानी फोन चोरी करते नजर आई। मालिक ने सीसीटीवी के साथ पुलिस को ऋकफ के लिए शिकायत दी। फोन की कीमत करीब एक लाख 40 हजार रुपए है।पूरा मामला क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके की पैरामाउंट सिम्फनी सोसाइटी का है। घटना शाम 4:31 बजे की है। सीसीटीवी को सामने आया। आरोपी नौकरानी का नाम पूजा (32) है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।पति-पत्नी वर्किंग, 1 साल के बेटे को संभालने के बुलाई थी मेड नितिन कुमार, पत्नी शिल्पा यादव के साथ पैरामाउंट सिम्फनी सोसाइटी में रहते हैं। दोनों का 1 साल का बेटा है। नितिन मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर हैं। शिल्पा भी जॉब करती हैं। बेटे की देखभाल के लिए उन्होंने रजनी नाम की मेड लगा रखी थी। रजनी 4-5 दिन की छुट्टी पर गई थी। ऐसे में नितिन ने सोसाइटी में ही काम करने वाली पूनम उर्फ पूजा को अस्थायी तौर पर बेटे की देखरेख के लिए रख लिया था। क्योंकि, पूजा आसपास के फ्लैट में काम करती थी, इसलिए उन्होंने ज्यादा जांच पड़ताल नहीं की। 10 मिनट के लिए नीचे गए तो आई-फोन चुरायानितिन 10 मिनट के लिए फ्लैट से बाहर गए थे। वापस आए तो उन्हें अपना आईफोन नहीं मिल रहा था। काफी देर तक तलाशते रहे। फिर उन्होंने पूजा से पूछा। उसने जवाब दिया- साहब हमें कोई फोन नहीं मिला। बाद में नितिन ने घर में लगे चेक किए तो पूजा की पोल खुल गई। नितिन की पत्नी शिल्पा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि पूनम पहली बार फ्लैट पर काम करने आई थी। यही वजह थी कि उसे यह बात नहीं पता थी कि घर में लगे हुए हैं।

# सेंट्रल मार्केट की 44 सील संपत्तियां खुलनी शुरू

## सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 15 दिन में हटाना होगा अवैध निर्माण

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , शास्त्रीनगर स्थित सेंट्रल मार्केट मामले में आवास एवं विकास परिषद ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में सील की गई 44 संपत्तियों को डी-सील करना शुरू कर दिया है। सोमवार को लगभग 28 संपत्तियों की सील खोल दी गई। परिषद अधिकारियों के अनुसार, जिन भवन स्वामियों की ओर से डी-सीलिंग के लिए आवेदन दिया जा रहा है, उनकी संपत्तियों को नियमानुसार खोला जा रहा है, ताकि वे स्वयं अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई कर सकें। आवास विकास परिषद ने स्पष्ट किया है कि डी-सीलिंग के बाद भवन स्वामियों को 15 दिन का समय दिया जाएगा। इस अवधि में उन्हें सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के अनुरूप सेटबैक खाली कराते हुए सभी अवैध निर्माण स्वयं ध्वस्त करने होंगे। यदि तय समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं की गई तो आवास एवं विकास परिषद अपने स्तर से ध्वस्तीकरण अभियान चलाएगा। इस कार्रवाई में आने वाला पूरा खर्च संबंधित संपत्ति मालिकों से वसूला जाएगा। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आवास एवं विकास परिषद ने शास्त्रीनगर आवासीय योजना संख्या-7 की 44 ऐसी संपत्तियों को सील किया था, जिनका उपयोग पूरी तरह व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। इन आवासीय भवनों में विवाह मंडप, निजी स्कूल, अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर, बैंक और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हो रहे थे। कई भवनों में 10 से 20 तक दुकानें बनाकर उन्हें व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स का स्वरूप दे दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी भवनों में निर्धारित सेटबैक को खाली कराने और अवैध निर्माण हटाने के निर्देश दिए हैं। परिषद का कहना है कि न्यायालय के आदेशों का हर हाल में पालन कराया जाएगा और समय सीमा समाप्त होने के बाद नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई को करने से पहले आवास विकास द्वारा इन संपत्तियों का एक सर्वे भी कराया गया था जिसमें भू खंड़ों के कूल कितने मालिक हैं

# मोबाइल छीनने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

### पुलिस को देखते ही फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में एक के पैर में लगी गोली

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर ,ग्रेटर नोएडा के दादरी क्षेत्र में रात करीब साढ़े 10 बजे पुलिस और दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरे को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों के पास से छीना गया मोबाइल, अवैध हथियार, वारदात में इस्तेमाल कार और चोरी के आभूषण बरामद किए गए हैं मोबाइल स्नैचिंग की शिकायत के बाद कार्रवाई पुलिस के अनुसार, 26 जुलाई को दादरी थाने में एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कार में सवार कुछ लोगों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया। मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की।सर्विलांस से मिली बदमाशों की लोकेशनइलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने रविवार रात कार्रवाई की। घोड़ीबछेड़ा से रामगढ़ अंडरपास जाने वाले कच्चे रास्ते पर दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। उनकी पहचान दादरी के ओमीक्रोन-2 निवासी करण नागर (23) और मुकुल (24) के रूप में हुई।पुलिस पर फायरिंग करके भाग रहे थेपुलिस के मुताबिक, बदमाशों ने खुद को घिरता देख फायरिंग शुरू कर दी।

# 6 साल के बच्चे की मौत के 5-जिम्मेदार

## अथॉरिटी के सीईओ ने कभी जांच नहीं की; ठेकेदार मनमानी करता रहा

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा ,सिस्टम की लापरवाही ने 6 साल के मासूम आव्यान की जिंदगी छीन ली। इस मामले में 5 लोगों की सीधी लापरवाही सामने आई है। न तो ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के सीईओ ने कभी निर्माण कार्यों और सुरक्षा मानकों की जांच कराई और न ही ठेकेदार ने सुरक्षा के जरूरी इंतजाम किए। अफसरों की ढिलाई की वजह से ठेकेदार लगातार मनमानी करता रहा। दरअसल, नॉलेज पार्क-2 इलाके की पॉश सोसाइटी कलाधाम में आव्यान पानी से भरे एक गड्ढे में डूब गया था। वह शाम 6:30 बजे घर के बाहर क्रिकेट खेल रहा था। खेलते-खेलते वह गड्ढे के पास पहुंच गया और आसपास कीचड़ होने की वजह से फिसलकर उसमें गिर गया। यह गड्?ढा करीब 15 फीट गहरा था, जिसे प्राधिकरण ने बोरिंग के लिए खुदवाया था। बच्चे की मौत के बाद प्रशासन की नींद टूटी और आनन-फानन में गड्ढे के चारों तरफ बैरिकेडिंग कराई गई। अथॉरिटी ने ठेकेदार मनोज जैन, संविदा कर्मी सुपरवाइजर जॉनी और टेक्निकल सुपरवाइजर आकाश के खिलाफ दर्ज कराई। कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया। वहीं, रात होते-होते पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार भी कर लिया। आव्यान के पिता शिवान यादव केंद्रीय विद्यालय में वाइस प्रिंसिपल हैं। सवाल पूछ रहे हैं- ₹इसका जिम्मेदार कौन है? मेरे बेटे का क्या कसूर था? किसी और की लापरवाही की सजा मुझे और मेरे परिवार को क्यों मिली? साथ ही प्राधिकरण के अफसरों और कर्मचारियों से मामले की पूरी जानकारी ली। पढ़िए रिपोर्ट ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार हैं।

# सोसाइटी में घरेलू सहायिका फंदे पर लटकी

## सर्वेंट रूम में मिला शव; जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर ,ग्रेटर नोएडा में थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र स्थित एटीएस प्रिस्टीन सोसाइटी में 19 वर्षीय घरेलू सहायिका ने रात फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। मृतका की पहचान सोनम (19) पुत्री रामपाल सिंह, निवासी ग्राम बासखेड़ा, थाना अटरिया, जिला सीतापुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह करीब एक वर्ष से फ्लैट मालिक प्रशांत सिंह और उनकी पत्नी के यहां घरेलू सहायिका के रूप में कार्य कर रही थी। वह फ्लैट के सर्वेंट रूम में रहती थी। डायल-112 पर मिली सूचना थाना नॉलेज पार्क पुलिस को सुबह करीब 7:30 बजे डायल-112 के माध्यम से घटना की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की ग्रेटर नोएडा की एटीएस प्रिस्टीन सोसाइटी, जहां 19 वर्षीय घरेलू सहायिका ने सर्वेंट रूम में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।ग्रेटर नोएडा की एटीएस प्रिस्टीन सोसाइटी, जहां 19 वर्षीय घरेलू सहायिका ने सर्वेंट रूम में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने वाली 19 वर्षीय घरेलू सहायिका सोनम, मूल निवासी ग्राम बासखेड़ा, थाना अटरिया, जिला सीतापुर।

# साइबर हेल्प डेस्क थाना अनपरा ने साइबर फ्रॉड के 4,70,268.84/- पीड़ित के खाते में कराए वापस

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अवगत कराना है कि वादी सलीम पुत्र बाके राय, निवासी आदर्श नगर, थाना अनपरा, जनपद सोनभद्र के साथ दिनांक 27.03.2026 को अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा स्वयं को अधिकारी बताकर यह कहकर कि उनका आधार कार्ड अवैध कार्यों में प्रयुक्त हुआ है, भयभीत कर उनके बैंक खाते से 4,70,268.84/- की धनराशि साइबर फ्रॉड के माध्यम से निकाल ली गई थी। घटना के संबंध में पीड़ित द्वारा तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (ठउफढ) पर शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित राहत प्रदान करने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना अनपरा के नेतृत्व में साइबर हेल्प डेस्क द्वारा प्रकरण की गंभीरता से जांच की गई। जांच के दौरान साइबर टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से संदिग्ध बैंक ट्रांजेक्शनों का सफलतापूर्वक ट्रेस किया गया तथा संबंधित बैंकों एवं नोडल अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक ई-मेल एवं पत्राचार किया गया। तत्पश्चात संबंधित धनराशि को समय रहते होल्ड/फ्रीज कराकर नियमानुसार रिवर्सल की कार्रवाई सुनिश्चित कराई गई। पुलिस की प्रभावी, त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई के फलस्वरूप पीड़ित की साइबर फ्रॉड हुई 4,70,268.84/- की संपूर्ण धनराशि सफलतापूर्वक रिकवर कर उसके मूल बैंक खाते में वापस करा दी गई। अपनी धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने सोनभद्र पुलिस एवं थाना अनपरा की साइबर टीम का आभार व्यक्त करते हुए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की।

# सातवीं की छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में स्कूल जा रही 14 वर्षीय छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव का ही एक युवक लंबे समय से छात्रा का स्कूल आते-जाते पीछा कर उसे परेशान कर रहा था। बुधवार को पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई में जुटी। पुलिस के अनुसार, पीड़िता पास के गांव स्थित एक विद्यालय में सातवीं की छात्रा है। परिजनों का आरोप है कि गांव निवासी सचिन कुमार काफी समय से छात्रा का पीछा करता था और रास्ते में उसे परेशान करता था। बताया गया कि 27 जुलाई को छात्रा स्कूल जा रही थी। रास्ते में पहले से बाइक लेकर खड़े आरोपी ने उसे रोक लिया। आरोप है कि उसने छात्रा का हाथ पकड़कर उसके साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी। छात्रा के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े तो आरोपी बाइक लेकर फरार हो गया। घटना से सहमी छात्रा ने घर पहुंचकर परिजनों को पूरी आप बीती बताई। इसके बाद पिता ने रहीमाबाद थाने में आरपी के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में इंस्पेक्टर अरुण कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी सचिन कुमार के खिलाफ छेड़छाड़ सहित सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

# अनुरागिनी संस्था ने कटे होंठ एवं फटे तालू से पीड़ित मरीजों का जिला अस्पताल उरई में किया पंजीकरण शिविर का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उरई (जालौन)। अनुरागिनी संस्था एवं ऑपरेशन स्माइल के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को जिला पुरुष चिकित्सालय, उरई परिसर में कटे होंठ एवं फटे तालू (क्लेफ्ट लिप एवं क्लेफ्ट पैलेट) से पीड़ित बच्चों एवं वयस्कों के लिए निःशुल्क पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 16 मरीजों ने पंजीयन कराया, जिनमें से चिकित्सकीय परीक्षण के उपरांत 12 मरीजों का निःशुल्क शल्य चिकित्सा (सर्जरी) हेतु चयन किया गया। ऑपरेशन स्माइल के प्रोग्राम स्पेशलिस्ट रोहित सिंह एवं प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर सुयश ने बताया कि कटे होंठ एवं फटे तालू जैसी जन्मजात विकृति का सफल उपचार संभव है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन स्माइल का उद्देश्य प्रत्येक जरूरतमंद मरीज तक निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार की सुविधा पहुँचाना है। साथ ही लोगों से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई बच्चा या व्यक्ति इस समस्या से पीड़ित है, तो उसे इस अभियान से जोड़कर उपचार का लाभ दिलाने में सहयोग करें। शिविर का उद्देश्य जन्मजात कटे होंठ एवं फटे तालू जैसी समस्या से पीड़ित मरीजों को समय पर निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है। चयनित सभी मरीजों की सर्जरी महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी में ऑपरेशन स्माइल के सहयोग से विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क की जाएगी। साथ ही मरीजों एवं उनके परिजनों को उपचार संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया जाएगा। अनुरागिनी संस्था के रजिस्ट्रेशन कैंप संयोजक श्याम करण प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि आज आयोजित पंजीयन शिविर में पंजीकृत सभी मरीजों का उपचार महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनुरागिनी संस्था समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य एवं पंजीयन शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने अधिक से अधिक पात्र मरीजों से इस अभियान का लाभ उठाने की अपील की।

## खास समाचार

### बभनी पुलिस द्वारा चोरी की मोटरसाइकिल सहित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के कुशल निर्देशन में थाना बभनी पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 155/2026, धारा 303(2), 317(2) बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त राजपाल सिंह खरवार पुत्र हीरा सिंह खरवार, निवासी ग्राम सेमरिया, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 25 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर दिनांक 28.07.2026 को समय करीब 09:10 बजे बिजली पावर हाउस, ग्राम बड़होर के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

### थाना मानिकपुर की पुलिस ने गैंग रेप के फरार इनामिया आरोपी को अवैध असलहा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट।पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पीयूष कान्त राय के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी मऊ फहद अली के नेतृत्व में थाना मानिकपुर की पुलिस टीम ने थाना मानिकपुर अन्तर्गत जंगल में हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना फरार आरोपी अभियुक्त 25 हजार के इनामिया को अवैध देशी तमंचा 315 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया।

### मिजार्पुर के शक्तेशगढ़ में गुरु पूर्णिमा मेलाः भारी वाहनों पर 4 दिन पूर्ण प्रतिबंध

अमन लेखनी समाचार

रामपुर सत्तेशगढ़ (मिजार्पुर), परमहंस आश्रम शक्तेशगढ़ में आयोजित होने वाले प्रसिद्ध गुरु पूर्णिमा मेला-2026 को सकुशल संपन्न कराने के लिए यातायात पुलिस ने विशेष डायवर्जन योजना लागू कर दी है। मेले के दौरान भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यह व्यवस्था 27 जुलाई 2026 की शाम 7 बजे से 30 जुलाई 2026 की शाम 7 बजे तक प्रभावी रहेगी। यातायात पुलिस के अनुसार सामान्य छोटी वाहनों का आवागमन सामान्य रहेगा, लेकिन भारी वाहनों को मेले क्षेत्र में प्रवेश नहीं मिलेगा।

प्रतिबंधित मार्ग

दुगार्जी मोड़ चुनार से सत्तेशगढ़ की ओर जाने वाला मार्ग

राजगढ़ तिराहा (ब्लॉक तिराहा) से सत्तेशगढ़ पुलिस चौकी की ओर जाने वाला रास्ता

डगमगपुर मोड़ चुनार से सत्तेशगढ़ जाने वाला मार्ग

इन सभी मार्गों पर भारी वाहनों की नो-एंट्री रहेगी।

इन वाहनों को छूट

पुलिस ने कुछ आवश्यक सेवाओं को छूट प्रदान की है। एम्बुलेंस, स्कूली वाहन, डेयरी वाहन, पेट्रोलियम टैंकर, फायर सर्विस, पुलिस वाहन और फल-सब्जी जैसी कच्ची सामग्री ले जाने वाली छोटी गाड़ियों को जोनल अधिकारी की लिखित अनुमति के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा।

# चकाडोरी आश्रम में गुरु भक्ति की बही गंगा, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया पूजन

अमन लेखनी समाचार

ककरबई (झांसी)।सिद्ध पीठ चकाडोरी आश्रम में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला। क्षेत्र सहित दूर-दराज से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने आश्रम के महंत राकेश दास महाराज का विधिवत पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे दिन आश्रम परिसर श्रद्धालुओं से गुलजार रहा। गुरुपूजन पर्व के उपलक्ष्य में आश्रम में एक दिन पूर्व से विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया था। बुधवार को आचार्य गिरजानंदन दीक्षित ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन, हवन एवं पूर्णाहुति संपन्न कराई। हवन में श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर परिवार, समाज और राष्ट्र के सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। महंत राकेश दास महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि गुरु का सान्निध्य और मार्गदर्शन मानव जीवन को सही दिशा प्रदान करता है। उन्होंने हनुमान जी महाराज से सभी शिष्यों एवं भक्तों के सुखी, स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन की प्रार्थना की। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में नमन कर आशीर्वाद लिया तथा आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रेमनारायण खरे, दिनेश अग्रवाल, रामकुमार उपाध्याय, रामप्रकाश समेले, अरविंद गुप्ता, घनाराम मिश्रा, विष्णुदत्त तिवारी, श्रीप्रकाश द्विवेदी, दिनेश तिवारी, हेमंत यादव, श्याम सिंह यादव सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

### सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का पूणार्हुति एवं विशाल भंडारे के साथ हुआ समापन

अमन लेखनी समाचार

गरौठा/ककरवई। ककरवई क्षेत्र के ग्राम धमनौड़ स्थित दादरी सरकार हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित सप्तदिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का बुधवार को पूणार्हुति एवं विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया। कथा समापन के उपरांत यजमानों ने विधि-विधान से हवन-पूजन कर हवन वेदी में आहुतियां अर्पित कीं। इसके बाद दोपहर 2 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर दादरी सरकार के महंत हरिसरण महाराज, बलवीर यादव, संतराम पाल, लक्ष्मी नारायण बादल, हरिसिंह पाल, जितेंद्र शर्मा, राजेंद्र यादव, राजू बुंदेला एवं हरवंश परिहार सहित अनेक श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा।

# गुरु पूर्णिमा पर झारखण्ड धाम मंदिर के संत जनों का अंगवस्त्र व श्री फल से किया सम्मान

अमन लेखनी समाचार/ हेमन्त यादव

गरौठा। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि झारखंड धाम पर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ रही। मंदिर प्रबंधन द्वारा विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। भण्डारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।गरौठा विधायक श्री जवाहर लाल राजपूत ने झारखण्ड धाम मंदिर पहुंचकर संत जनों को अंगवस्त्र व श्री फल प्रदान कर सम्मानित किया।गरौठा विधायक ने बताया कि गुढ़ा से झारखण्ड मंदिर तक सी सी सड़क का निर्माण बरसात का मौसम समाप्त होते ही प्रारंभ हो जाएगा तथा इसके अलावा मंदिर प्रांगण में टीन सैड तथा महर्षि विश्वामित्र के नाम से एक भव्य द्वार का निर्माण भी विधायक निधि से शीघ्र धरातल पर नजर आएगा।इस मौके पर महंत इटैलिया रामदास,राजू महाराज,ग्राम प्रधान चन्द्रभानसिंह परमार, सुमित पाठक, लक्ष्मी प्रसाद तिवारी, राजा बुंदेला,प्रसांत राजा,चन्द्रप्रताप बुन्देला,रुप सिंह परिहार, पप्पू यादव समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# नवीन दर सूची को लेकर अधिवक्ताओं ने स्टांप एवं पंजीयन विभाग मंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उप निबंधन अधिकारी ओबरा को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

ओबरा सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में संपत्तियों के नए मूल्यांकन/सर्किल रेट (नवीन दर सूची) को लेकर ओबरा तहसील और उप निबंधक कार्यालयों में वकीलों (अधिवक्ताओं) द्वारा विरोध-प्रदर्शन कर मंत्री जी के नाम ज्ञापन सौंपा गया नई एकीकृत दर सूची और नियमों में बदलाव के बाद कई जगहों पर स्थानीय स्तर पर विसंगतियों या दरों में संशोधन की मांग को लेकर अधिवक्ता संघर्ष समिति ने ज्ञापन दिया प्रस्तावित दर सूची को अत्यधिक जटिल एवं छह चरणों में इस प्रकार तैयार किया गया है कि इसे समझना सामान्य नागरिकों की बात तो दूर, अधिकांश अधिवक्ताओं एवं विभागीय अधिकारियों के लिए भी कठिन हो गया है।ऐसी व्यवस्था जनसुविधा के बजाय जन असुविधा उत्पन्न करेगी। शासन का उद्देश्य प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाना होना चाहिए, किंतु विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा तैयार की जा रही यह व्यवस्था इसके विपरीत दिखाई देती है। इससे आम नागरिकों को अनावश्यक भ्रम एवं कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। संघर्ष समिति के संयोजक एडवोकेट उमेश चंद शुक्ला ने कहा कि प्रस्तावित नवीन एवं जटिल दर सूची को वर्तमान स्वरूप में लागू न किया जाए। यदि दरों में वृद्धि आवश्यक हो तो वर्तमान में लागू दर सूची के आधार पर ही आवश्यक संशोधन किया जाए, जिससे व्यवस्था सरल, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनी रहे तथा आम जनता को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।इस प्रकार की जटिल व्यवस्था का सीधा प्रभाव उत्तर प्रदेश सरकार की जनहितकारी छवि पर पड़ेगा। यदि जनता अपनी ही भूमि के क्रय-विक्रय की प्रक्रिया को समझने में असमर्थ रहेगी, तो शासन के प्रति अनावश्यक असंतोष उत्पन्न होना स्वाभाविक है। मंत्री जी, आप विगत चार वर्षों से जनपद सोनभद्र के प्रभारी मंत्री रहे हैं तथा इस जनपद की भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हैं। इसके बावजूद यदि ऐसी व्यवस्था लागू होती है, जिससे आमजन का शोषण या उत्पीड़न होने की आशंका हो, तो यह अत्यंत चिंताजनक विषय है।प्रस्तावित व्यवस्था में कृषि भूमि के क्रय हेतु ग्रामीण क्षेत्र में 300 वर्गमीटर तथा विकासशील क्षेत्र में 500 वर्गमीटर की सीमा लागू करने का प्रस्ताव इस जनपद की वास्तविक परिस्थितियों के अनुकूल प्रतीत नहीं होता। सोनभद्र में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की बड़ी आबादी निवास करती है।

# मझवार तुरैहा निषाद, केवट, मल्लाह आदि जातियों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग,

**राष्ट्रपति से लेकर मुख्यमंत्री तक सौंपा गया ज्ञापन**

अमन लेखनी समाचार

डाला सोनभद्र। निषाद समाज को अनुसूचित जाति का दर्जा दिए जाने को लेकर आज निजात पार्टी के सदस्यों द्वारा समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव सिंह गौड़ को उनके आवास पर ज्ञापन सौपा गया जिसमें उत्तर प्रदेश में मझवार, तुरैहा उनसे संबंधित निषाद, केवट, मल्लाह, कश्यप, कहार, धीमर, बिंद, बाथम, तुरहा, गोड़िया, मांझी, मछुआ सहित अन्य जातियों को अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र जारी किए जाने की मांग को लेकर आज महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मुख्यमंत्री तथा प्रदेश के समस्त जिला अधिकारियों एवं उपजिलाधिकारियों को संबोधित एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया।ज्ञापन में कहा गया है कि कार्मिक अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या 4(1)/2002-का-2 दिनांक 31 दिसंबर 2016 तथा संख्या 1/2017/4(1)/2002-का-2 दिनांक 12 जनवरी 2017 के अनुसार उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम 1994 में संशोधन कर निषाद, केवट, मल्लाह, कश्यप, कहार, धीमर, बिंद, बाथम, तुरहा, गोड़िया, मांझी एवं मछुआ जातियों को पिछड़े वर्ग की सूची से हटाया गया था। इसके बावजूद जनपद एवं तहसील स्तर पर इन जातियों के लोगों को अभी भी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का प्रमाणपत्र जारी किया जा रहा है, जिसे ज्ञापन में शासनादेश एवं संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत बताया गया है। ज्ञापन में 10 अगस्त 1950 की राष्ट्रपति अधिसूचना, 1961 के सेंसस मैन्युअल, 29 अगस्त 1977 के भारत सरकार के शासनादेश तथा विभिन्न राजस्व परिषद अभिलेखों का उल्लेख करते हुए दावा किया गया है कि मझवार, तुरैहा तथा उनकी पर्यायवाची जातियां अनुसूचित जाति के समूहों में सूचीबद्ध हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि देश के कई अन्य राज्यों में इन जातियों को अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्राप्त है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि उत्तर प्रदेश सरकार वर्ष 2016 एवं 2017 के संबंधित शासनादेशों का प्रदेशभर में प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करे तथा संबंधित जातियों को ओबीसी प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया तत्काल रोकी जाए। साथ ही पात्र व्यक्तियों को अनुसूचित जाति के प्रमाणपत्र जारी किए जाएं अनुसूचित जाति के अंतर्गत मिलने वाली सभी संवैधानिक सुविधाएं एवं योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। मांग की गई कि उत्तराखंड की तर्ज पर उत्तर प्रदेश विधानसभा में आवश्यक अध्यादेश, शासनादेश अथवा विधेयक लाकर मझवार, तुरैहा एवं तरमाली पासी समूह की पर्यायवाची जातियों की स्पष्ट परिभाषा निर्धारित की जाए। साथ ही ओबीसी के 9 प्रतिशत अतिपिछड़ा वर्ग आरक्षण से संबंधित इन जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल कर अनुसूचित जाति के आरक्षण में समायोजन करने तथा सभी उपजिलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की भी मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वालों ने कहा कि इस संबंध में शीघ्र निर्णय लेकर प्रदेशभर में एक समान व्यवस्था लागू की जाए, जिससे संबंधित समुदायों को उनके अनुसार संवैधानिक अधिकार एवं प्रमाणपत्र प्राप्त हो सकें।

# मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति किया गया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया।इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112-आपातकालीन सेवा

1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन

181-महिला हेल्पलाइन

1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन

1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

# युवाओं के सुरक्षित भविष्य और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में ऐतिहासिक कदम - केशव प्रसाद मौर्य

**पेपर लीक व अनुचित साधनों के दोषियों को अब मिलेगा शीघ्र और कठोर दंड**

अमन लेखनी समाचार

लखनऊः 30 जुलाई 2026। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज लोकसभा में पारित ह्यलोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026ह्ल युवाओं के सुरक्षित भविष्य और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से पेपर लीक और अन्य अनुचित साधनों में संलिप्त दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि दो माह के भीतर जांच पूरी करने का प्रावधान, चार्जशीट दाखिल होने के बाद तीन माह के भीतर ट्रायल पूरा करने का लक्ष्य तथा विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था दोषियों को शीघ्र और कठोर दंड दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि इन प्रभावी प्रावधानों से परीक्षा प्रणाली अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनेगी तथा मेहनती एवं प्रतिभाशाली युवाओं के हितों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित होगी। श्री मौर्य ने कहा कि सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि युवाओं के सपनों और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के लिए अब कोई रियायत नहीं होगी। प्रत्येक प्रतिभाशाली विद्यार्थी को निष्पक्ष अवसर उपलब्ध कराना और उसके उज्ज्वल भविष्य की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

**अमन लेखनी**
**(हिन्दी दैनिक)**

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

**सम्पादक–**
**श्रीमती अखिलेश सिंह**

**समाचार सम्पादक –**
**रुद्र प्रताप सिंह**

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

**मो. - 9838159555, 9935457982**

**E-mail address**
**amanlekhaninews@gmail.com**

# दिवाली से पहले आएगा लव एंड वॉर का फर्स्ट लुक

**नई दिल्ली।** संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर इस वक्त सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 21 जनवरी 2027, यानी रिपब्लिक डे वीकेंड पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भंसाली के शानदार स्टोरीटेलिंग स्टाइल और भव्य विजुअल्स से सजी यह फिल्म दर्शकों को बड़े पर्दे पर एक शानदार और इमोशनल अनुभव देने वाली है। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। इसी बीच फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। फिलहाल फर्स्ट लुक पर काम चल रहा है और उम्मीद है कि इसे दिवाली 2026 से पहले रिलीज कर दिया जाएगा।

## लाइफ Style

# निहारिका

## इंटीमेट सीन के चक्कर में हाथ से गई फिल्म

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

निहारिका एनएम फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से बॉलीवुड डेब्यू करने को तैयार हैं। इस बीच उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। कंटेंट क्रिएटर के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाली निहारिका एनएम ने साल 2023 में अमेरिकी सिटकॉम 'बिग माउथ सीजन 7' में गेस्ट वॉइस रोल के साथ अपने करियर को ग्लोबल लेवल पर पहुंचाया।

एक्टिंग सफर की शुरुआत पिछले साल तमिल फिल्म 'पेरुसु' से हुई थी। इसके बाद उन्होंने मित्रा मंडली और इधयम मुरली में भी काम किया। अब वे बॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं। निहारिका एनएम फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से हिंदी फिल्मों में बोहनी कर रही हैं। वे राघव जुयाल के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। इस बीच अभिनेत्री ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि इंटीमेसी क्लॉज की वजह से उन्हें एक फिल्म से हाथ धोने पड़े थे। वे बोल्ड सीन करने के तैयार नहीं थीं। एक घटना को याद करते हुए वे बताती हैं, 'एक फिल्म मुझे करनी थी। इसे एक बहुत बड़े डायरेक्टर बना रहे थे। उन्होंने मुझे खुद चुना था। मैंने उस रोल के लिए ऑडिशन दिया था और लुक टेस्ट भी हो गया था'। निहारिका ने आगे कहा, 'मेरे घर पर कॉन्ट्रैक्ट भेजा गया था और मैंने उस पर साइन कर दिया। उसमें इंटीमेट सीन से जुड़ी एक शर्त थी और मैंने उन्हें बता दिया था कि मैं ऑन-स्क्रीन इंटीमेसी करने में सहज नहीं हूं। वे इसके लिए तैयार थे और बॉडी डबल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे। लेकिन, एक्टर बॉडी डबल के साथ वह सीन करने के लिए तैयार नहीं थे।

## हॉलीवुड मसाला

### स्पाइडर-मैन ... से किसिंग

# सीन हटे

**मुंबई।** फिल्म 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' 31 जुलाई को रिलीज होने जा रही है। भारत में भी फिल्म रिलीज होगी। सेंसर बोर्ड ने तीन बदलावों के निर्देश के बाद भारत में 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' की रिलीज को मंजूरी दे दी है। इन बदलावों के बावजूद फिल्म की पीटर पार्कर वाली डार्क कहानी और एक्शन सीन वैसे ही रहेंगे। बता दें कि 'स्पाइडर-मैन-ब्रांड न्यू डे' भारतीय सिनेमाघरों में इस गुरुवार को रिलीज होगी। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इसे यूए 13+ सर्टिफिकेट के साथ रिलीज करने की मंजूरी दे दी है।

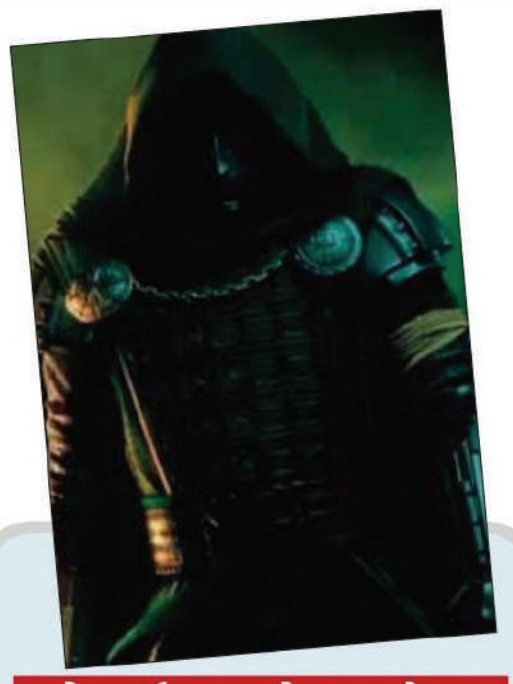

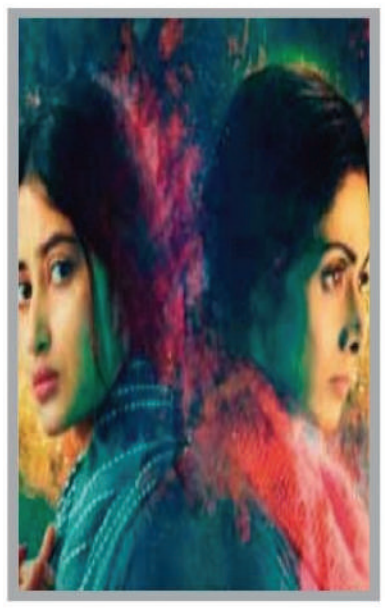

# मॉम-2 में खुशी निभाएंगी लीड रोल...

**मुंबई।** महान अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम'2017 में आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब करीब 9 साल बाद इसका सीक्वल बनने जा रहा है, जिसको लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। खुशी कपूर अब फिल्म 'मॉम 2' में लीड रोल निभाने जा रही हैं। यह 2017 की हिट फिल्म मॉम का सीक्वल है और इसे नवंबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। इस फिल्म को उनके पिता बोनी कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसकी शूटिंग नोएडा और ग्रीस में हुई है। 'मॉम 2' का कनेक्शन श्रीदेवी के उस यादगार किरदार से जुड़ा होगा, जिसने उन्हें खास पहचान दिलाई थी। 'मॉम' श्रीदेवी की आखिरी फिल्म थी, ऐसे में यह प्रोजेक्ट खुशी कपूर के लिए काफी इमोशनल और खास माना जा रहा है, क्योंकि वह अपनी मां की विरासत को आगे बढ़ाती नजर आएंगी।

# बंटवारा 1947 का ट्रेलर है दमदार

**मुंबई।** आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म 'बंटवारा 1947' में सनी देओल लीड रोल में हैं। सोमवार को इस फिल्म का ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज किया है। यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के ट्रेलर में 1947 के बंटवारे का समय दिखाया गया है। इसमें एक परिवार की कहानी है, जिसकी जिंदगी बंटवारे की हिंसा, डर और जबरन पलायन की वजह से बदल जाती है। जो लोग कभी साथ रहते थे, वो अब बंटवारे के कारण बिछड़ गए हैं। इसी बीच सनी ट्रेलर में एक ऐसे शख्स के किरदार में नजर आते हैं, जो किसी भी हाल में अपने जमीर से समझौता नहीं करता है। वहीं, शबाना आजमी एक बुजुर्ग महिला के रोल में हैं, जो इंसानियत पर सबका भरोसा बनाए रखती हैं। प्रीति जिंटा भी ट्रेलर में नजर आती हैं, वह बंटवारे के मुश्किल दौर का सामना मजबूती से करती नजर आती हैं।



# एवेंजर्स डूम्सडे का ट्रेलर कल होगा रिलीज...

**नई दिल्ली।** एवेंजर्स डूम्सडे फिल्म का बजट 4500 करोड़ रुपए है। इसमें ऐसे 23 सुपरहीरो हैं जो दुनिया के सबसे खतरनाक विलेन से टकराने जा रहे हैं। 'एवेंजर्स: डूम्सडे' का ट्रेलर विशेष रूप से 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' के साथ दिखाया जाएगा, जो 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। ट्रेलर फिल्म के सभी भाषा संस्करणों के साथ दिखाया जाएगा, जिससे दर्शकों और इस भव्य सुपरहीरो फिल्म के प्रशंसकों को एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव मिलेगा। मार्वल स्टूडियो की 'एवेंजर्स: डूम्सडे' का निर्देशन एंथनी रूसो और जो रूसो ने किया है। फिल्म का निर्माण केविन फेग, लुई डी'एस्पोसिटो और जोनाथन श्वार्ट्ज ने किया है। फिल्म में रॉबर्ट डाउनी जूनियर, क्रिस इवांस, क्रिस हेम्सवर्थ, पेड्रो पास्कल, पॉल रुड, एंथनी मैकी, फ्लोरेंस प्यू, वनेसा किर्बी, एबन मॉस-बाकरैक आदि नजर आएंगे।

## टीवी मसाला

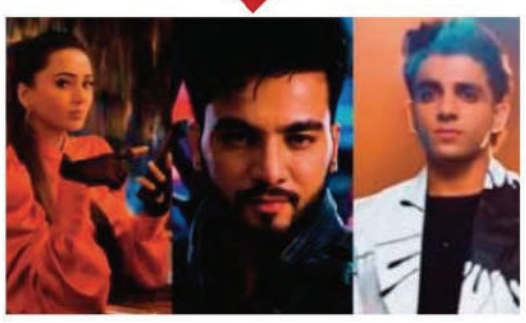

# एल्विश-तेजस्वी व आरुष संभालेंगे प्लेग्राउंड सीजन-5 का कमान

**नई दिल्ली।** गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड सीजन 5' अपने अब तक के सबसे बड़े और खास फॉर्मेट के साथ वापसी के लिए तैयार है, जिसमें तीन मेंटर्स का एक पैनल शामिल होगा। दो बार के चैंपियन एल्विश यादव 'केओ क्रैकेंस' की कमान संभालेंगे, जबकि तेजस्वी प्रकाश 'रेजिंग रेंटॉर्स' की मेंटर के तौर पर डेब्यू करेंगी। उनके साथ आरुष भोला भी होंगे, जो 'पावर फीनिक्स' की जिम्मेदारी संभालेंगे। छह हफ्ते तक चलने वाले इस सीजन 5 में तीन टीमें जबर्दस्त मुकाबला करेंगी, ताकि आखिर में सिर्फ एक 'मास्टरमाइंड' विजेता बन सके। शो 'प्लेग्राउंड सीजन 5' का ट्रेलर सोमवार का जारी हो चुका है। 'प्लेग्राउंड सीजन 5' का प्रीमियर 1 अगस्त को होगा। यह प्राइम वीडियो की तरफ से एमएक्स प्लेयर पर खास तौर से मुफ्त में स्ट्रीम किया जाएगा। ट्रेलर की शुरुआत में सभी मेंटॉर अपनी-अपनी दुनिया में खोए हुए दिखते हैं। तभी अचानक उनके आस-पास की असलियत में गड़बड़ी होने लगती है। एक-एक करके उन्हें एहसास होता है कि उन्हें मेंटॉर के तौर पर लॉक कर दिया गया है। सीधे असल जिंदगी वाले गेमिंग की दुनिया में खींच लिया गया है, जहां उन्हें एक-दूसरे का मुकाबला करना है। इस कॉम्पिटिशन में धीरे-धीरे ढलने का कोई समय नहीं है। मेंटॉर को हालात के हिसाब से खुद को ढालना होगा। अपग्रेड करना होगा और अपना दबदबा बनाना होगा, क्योंकि इस गेम में सब कुछ एक पल में खत्म हो सकता है।

## मैं अपने घर की डोर मैट थी : शिल्पा

**नई दिल्ली।** शिल्पा शिंदे ने 'लॉकअप 2' हालिया एपिसोड में दूसरे प्रतियोगियों के सामने अपने बिगड़ चुके पारिवारिक रिश्तों का जिक्र किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनकी कंधे की सर्जरी हुई तो उन्हें उनके ही घर से निकाल दिया गया था। शिल्पा शिंदे 'लॉकअप 2' में कहती हैं, 'हर्षद चोपड़ा आपको मैंने पहले चेताया था कि लोग आपका इस्तेमाल करते हैं। डोर मैट की तरह इस्तेमाल करते हैं। मैं भी अपने घर की डोर मैट थी। कुछ साल पहले मेरे कंधे की सर्जरी हुई थी। सर्जरी के पांच दिन बाद मुझे मेरे ही घर से निकाल दिया गया था। आपको लगेगा कि क्या मेरे परिवार वाले इतने बुरे हैं। तो देखिए, मेरे लिए ऐसी सिचुएशन बना दी गई थी। उन्हें पता था कि मैं सेल्फ रेस्पेक्ट वाली लड़की हूं। इसलिए मैं अपना घर छोड़ दिया। दरअसल, मेरा भाई अपनी वाइफ के इंफ्लुएंस में आ गया था और मेरी मां भाई की बातों को मानती थीं।' कुछ हफ्ते पहले योगेश रावत शो से बाहर हुए थे। अब सूफी मोतीवाला और धीरज कपूर भी शो से बाहर हो चुके हैं।

# सावन की दस्तक से पहले 'मैं दीवानी महाकाल की' गाना रिलीज

**मुंबई।** बॉलीवुड अदाकारा अक्षरा सिंह अपनी गायिकी के लिए भी मशहूर हैं। सावन की दस्तक से पहले उन्होंने महादेव को समर्पित भक्ति सॉन्ग रिलीज किया है। भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन अक्षरा सिंह अब बॉलीवुड में पहचान बना चुकी हैं। उन्हें अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम टू द जंगल' के एक गाने में देखा गया था। इसके अलावा उन्हें श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म 'ईठा' में देखा जाएगा। इस बीच अक्षरा अपने नए गाने को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। सावन का महीना शुरू होने वाला है। कोई भी त्योहार हो, भोजपुरी इंडस्ट्री में नए गानों की खूब बहार आती है। खेसारी लाल यादव से लेकर अक्षरा सिंह, पवन सिंह तक कई सितारे सावन के महीने में नए गाने लेकर आते हैं। अक्षरा सिंह ने यह सिलसिला शुरू कर दिया। उनका गाना 'मैं दीवानी महाकाल' की सोमवार को रिलीज हो गया है। अक्षरा सिंह अदाकारी के साथ-साथ सिंगिंग में भी माहिर हैं। अब उन्होंने अपने फैंस को नए गाने का तोहफा दिया है। यह भक्ति सॉन्ग अक्षरा सिंह के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। अक्षरा सिंह गाने में महादेव की भक्ति के रंग में रंगी दिख रही हैं। आर्मी प्रिंट आउटफिट में वे घुलेट पर सवार होकर जा रही हैं। रुद्रास की माला धारण कर वे यह गाना गुनगुना रही हैं। इसके बाद शिवलिंग के आगे बैठकर पूजा करती हैं और फिर कुछ साधु-संतों से मिलकर आशीर्वाद लेती हैं। बता दें कि अक्षरा सिंह महादेव की भक्त हैं। अक्सर वे काशी विश्वनाथ दर्शन करने जाती हैं। इस गाने की रिलीज से पहले अभिनेत्री अपनी मां के साथ उज्जैन महाकाल के दर्शन करने पहुंची थीं। अक्षरा के गाने पर फैंस की सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है। यूजर्स ने लिखा है, 'हम बहुत दिनों से आपके गाने का इंतजार कर रहे थे'।

# अजीब हिंदी फिल्मों में गिनी जाती है नीचा नगर, बनाया था ऐसा रिकॉर्ड जो आज तक कोई नहीं तोड़ पाया

**नई दिल्ली।** भारतीय सिनेमा की ऑडियंस आज ज्यादा से ज्यादा ऑथेन्टिक और ऑरिजनल फिल्मों की डिमांड कर रही है। हालांकि, बीच में एक लंबे वक्त तक सिर्फ एक ही नपे-तुले ढर्रे पर बनाई गई फिल्मों को ही लोगों ने प्यार दिया है। हालांकि, बात अगर 70-80 के दशक की करें तो उन दिनों बॉलीवुड डायरेक्टर्स ज्यादा से ज्यादा क्रिएटिव होने की कोशिश कर रहे थे। आज हम आपको ऐसी ही एक बहुत यूनिक फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं। आज अगर इस तरह की फिल्म बनाई जाए, तो ज्यादा संभावना इस बात की है, कि यह बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट जाएगी, लेकिन उन दिनों इस फिल्म ने कामयाबी के झंडे गाड़ दिए थे। बल्कि, सच तो यह है कि अगर आपने गलती से कभी इस फिल्म की क्लिप्स रील्स में देखी होंगी तो शायद कोई फ्रिंज पिक्चर समझकर आगे बढ़ गए होंगे। ज्यादातर लोग अभी भी इसे बहुत अजीब फिल्म समझते हैं, वजह है इसका बहुत अलग होना।

### 1946 में कर दिया ऐसा कमाल

जितनी दिलचस्प इस फिल्म की कहानी है, उससे कहीं ज्यादा दिलचस्प है इसे बनाने वाले डायरेक्टर की कहानी। इस फिल्म के डायरेक्टर चेतन आनंद थे, जिन्हें आज भी ज्यादातर लोग देव आनंद का भाई समझते हैं। हालांकि, उनकी अपनी अलग पहचान थी और कम लोग जानते हैं कि चेतन भारतीय सिनेमा की पहचान माने जाने वाले सत्यजीत रे की प्रेरणा थे। दरअसल, चेतन ने साल 1946 में अपनी फिल्म 'नीचा नगर' के जरिए वो करिश्मा कर दिखाया था, जो आज भी कोई दूसरी हिंदी फिल्म नहीं कर पाई है। चेतन की इस फिल्म ने कान फिल्म फेस्टिवल में ग्रांड प्राइज जीता था।

### फिल्म जिसमें हर कोई कविता में करता है बात

उनकी इसी उपलब्धि के बाद सत्यजीत रे ने उन्हें लेटर लिखा कि आपकी वजह से मुझे फिल्म बनाने की हिम्मत मिली है। इतनी बड़ी कामयाबी के बाद चेतन आनंद ने एक और मील का पत्थर रखने का फैसला किया था। उन्होंने 1970 में तय किया कि वह एक ऐसी फिल्म बनाएंगे, जिसका हर डायलॉग किसी कविता की तरह होगा। इस फिल्म में कोई हल्की-फुल्की स्टार कास्ट नहीं थी। राज कुमार, पृथ्वीराज कपूर और प्राण जैसे कमाल के एक्टर्स को कास्ट करके उन्होंने एक ऐसी फिल्म बना डाली, जिसमें हर कोई कविताओं में बात करता नजर आता है।

## हॉलीवुड स्टार्स के बाद किया था लक्स का ऐड

# 16 साल में हुई शादी, बनीं हिंदी सिनेमा की पहली ग्रेजुएट एक्ट्रेस

*नई दिल्ली। बॉलीवुड ने कई अभिनेत्रियों ने अपने अभिनय और अपनी कलाकारी से अपना बड़ा नाम बनाया है। लेकिन, आज हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं, वो अपने समय में एक मिसाल थी और उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए नए रास्ते बनाए। उन्हें हिंदी फिल्म जगत की पहले ग्रेजुएट एक्ट्रेस कहा जाता है। उन्होंने उस पॉपुलर ब्यूटी सोप का ऐड किया, जो उनसे पहले केवल हॉलीवुड की सुंदरियां ही करती थीं। प्रोफेशनल फ्रंट पर सफलता के बावजूद उनका निजी जीवन काफी संघर्षों से भरा रहा।*

**कौन हैं वो एक्ट्रेस?**

हम बात कर रहे हैं बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री लीला चिटनिस की। लीला चिटनिस ने बॉलीवुड में 1930 से 1980 के दशक तक काम किया। उनका जन्म 1909 में हुआ था। ये उन चुनिंदा महिला अभिनेताओं में से थीं जो ग्रेजुएट (आर्ट्स में बैचलर) थीं। वह पहली फीमेल एक्टर थीं, जो ग्रेजुएट थी। उनके पिता इंग्लिश लिटरेचर के प्रोफेसर थे। उन्होंने लीला की शादी 16 साल की उम्र में ही तय कर दी थी।

### शादीशुदा जिंदगी

लीला चिटनिस ने गजानन यशवंत चिटनिस से शादी की, जो एक डॉक्टर थे और उसी ब्रह्म समाज समुदाय से थे, जिससे उनका परिवार जुड़ा था। शादी के बाद उनके चार बेटे हुए। उनकी राजनीतिक सोच भी एक जैसी थी। उन्होंने एक बार मशहूर मार्क्सवादी स्वतंत्रता सेनानी एम.एन. रॉय को अपने घर में पनाह दी थी और ब्रिटिश राज के खिलाफ भारत की आजादी की लड़ाई में अपना योगदान दिया था।

### शराब पीने वाले पति से हो गईं अलग

हालांकि, शादी सफल न हो पाने के कारण आखिरकार वह अपने शराब पीने वाले पति से अलग हो गईं। वापस लौटने पर, उन्हें अकेले ही अपने चार छोटे बेटों की परवरिश करने की मुश्किल चुनौती का सामना करना पड़ा। उस समय ग्रेजुएट होने वाली चुनिंदा महिलाओं में से एक होने के नाते, उन्होंने एक स्कूल में पढ़ाना शुरू किया। हालांकि, प्रोग्रेसिव मराठी ग्रुप 'नाट्यमन्वंतर' के साथ थिएटर की ट्रेनिंग लेने के कारण, उन्हें एक्टिंग में ही अपना असली मकसद मिला।

### फिल्मों में शुरुआती संघर्ष

हिंदी सिनेमा में लीला चिटनिस का सफर आसान नहीं था। 'जेंटलमैन डाकू' (1937) में ब्रेक मिलने से पहले उन्होंने कई फिल्मों में एक्स्ट्रा (सहायक कलाकार) के तौर पर काम किया। इस फिल्म में उन्होंने पुरुष के वेश में एक्शन सीन भी किए थे। 1939 में 'कंगन' की बॉक्स ऑफिस सफलता के साथ ही उन्होंने आखिरकार एक लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी जगह बनाई। फिल्म में उन्होंने एक हिंदू पुजारी की बेटी का किरदार निभाया, जो अपने पिता की मर्जी के खिलाफ जाकर एक स्थानीय जमींदार के बेटे से प्यार करने लगती है।

### कंगन को मिली जबरदस्त कामयाबी

बॉम्बे टॉकीज, वह मशहूर प्रोडक्शन हाउस जिसने इस फिल्म को सपोर्ट किया था, समाज की स्थापित मान्यताओं को चुनौती देने वाली फिल्में चुनने की वजह से मुश्किल दौर से गुजर रहा था। 'कंगन' फिल्म की जबरदस्त कामयाबी के बाद, लीला ने उस दौर की मशहूर अभिनेत्री देविका रानी की जगह ले ली। लीला चिटनिस ने बॉम्बे टॉकीज के एक और बड़े कलाकार अशोक कुमार के साथ कई यादगार फिल्मों में काम किया, जिनमें एन.आर. आचार्य की बंधन और आजाद (1940) और ज्ञान मुखर्जी की झूला (1941) शामिल है।